RNI. NO. RAJHIN/2021/82156
डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -237 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, सोमवार 10 नवम्बर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

बिहार में आखिरी रण की तैयारी

नेपाल सीमा 72 घंटे के लिए सील, झारखंड-यूपी-बंगाल बॉर्डर पर सिक्योरिटी चौकस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में सुरक्षा की जबर्दस्त तैयारी की गई है। भारत-नेपाल सीमा को सील कर दिया गया है। इस दौरान बॉर्डर पर एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) हाई अलर्ट पर है। बताया गया कि बॉर्डर पर 72 घंटे के लिए आवागमन बंद कर दिया गया है। बिहार के बथनाहा, रक्सौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, पश्चिमी चंपारण और पूर्वी चंपारण जिलों में भारत-नेपाल सीमाओं पर एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) हाई अलर्ट पर है, क्योंकि बिहार चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि दूसरे चरण में केंद्रीय सुरक्षा बलों की कुल 1,650 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त राज्य पुलिस बल की अतिरिक्त टुकड़ियां

भी प्रत्येक जिले में भेजी गई हैं ताकि हर मतदान केंद्र पर शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया जा सके।

20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान

बिहार विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को मतदान होगा। इस चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान होगा। इन सीटों में 101 सामान्य, 19 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। चुनाव के इस चरण में कुल 3 करोड़ 70 लाख से ज्यादा मतदाता अपने मत का इस्तेमाल करेंगे। चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को जारी किए जाएंगे। बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.43 करोड़ है। इनमें लगभग 3.92 करोड़ पुरुष और करीब 3.50 महिला मतदाता हैं। 1,725 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। करीब 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता और 4.04 लाख 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक भी वोटर सूची में हैं, जबकि 100 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 14 हजार है। फर्स्ट टाइम वोटर लगभग 14 लाख हैं। बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने रविवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को लेकर सुरक्षा इंतजाम पूरी तरह से पुख्ता कर दिए गए हैं और पहले चरण की तुलना में इस बार सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी की गई है। डीजीपी ने बताया कि 11 नवंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए सभी जिलों में सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती की गई है। इस चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। इनमें कई जिले अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय सीमाओं से सटे हैं, जिसके चलते अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। विनय कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा से सटे सात जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। वहीं, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सीमाओं से लगे जिलों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा को शनिवार से पूरी तरह सील कर दिया गया है, जबकि अंतरराज्यीय सीमाएं रविवार शाम तक बंद कर दी जाएंगी। 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 125 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया था, जबकि महागठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं। राजद 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। ये चुनाव कोविड-19 महामारी के बाद आयोजित पहला बड़ा चुनावी अभ्यास होने के कारण चर्चित था, जिसमें 56.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

अंता में प्रचार का शोर थमा; अखिरी दिन नेताओं की मैराथन रैलियां, अब मैदान में मतदाताओं की बारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बारां

अंता विधानसभा उपचुनाव का प्रचार-प्रसार थम गया है। आखिरी दिन रविवार को निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा की वजह से सीट पर बने त्रिकोणीय मुकाबला को फतह करने के लिए बीजेपी-कांग्रेस ने पूरी जोर अजमाइश की ।एक दूसरे पर आरोपों के खूब बाण चलाए। मुख्यमंत्री भजनलाल और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अंता में आज रोड शो किया तो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मांगरोल कस्बे में जनसभा संबोधित की।

भाजपा में चर्चा, भजनलाल कब तक रहेंगे सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अंता का उपचुनाव महत्वपूर्ण है। हमारी पुरानी सरकार को उसकी योजनाओं को जनता याद कर रही है। हम से जो मांगा, वह प्रदेशवासियों को दिया। अंता के लोगों ने जो मांगा, भाया को उतना बजट दिया। हमने अंता विधानसभा में कोई कमी नहीं रखी। लेकिन साल 2023 में सोचा नहीं था कि

निकम्मी सरकार आएगी। इस सरकार में बिना पैसे के कोई काम नहीं होता। साथ ही सबको पता है कि इस सरकार में ना सीएम की चल रही है ना मंत्रियों की चल रही है। गहलोत ने मुख्यमंत्री पर सीधा निशाना साधते कहा कि यह टाइम पास सरकार है भाजपा में चर्चा चल रही है कि कब तक सीएम रहेंगे। मोरपाल के लिए भी गहलोत ने कहा कि मोरपाल को वोट देकर जनता क्या करेगी। टाइम पास मोरपाल है। भाया जनसेवक है, जिनके दवा फ्री काम को देखकर राजस्थान में देश में हमने पहली बार जनता को दवाई फ्री योजना दी। उपचुनाव में अंता की जनता कांग्रेस को जीताती है तो हमारी पुरानी सरकार के कामों पर मोहर लगेगी। यह चुनाव देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। अंता उपचुनाव में छबड़ा और देवली उनियारा के बाद नरेश मीणा कांग्रेस के लिए बड़े सिर दर्द बने हुए हैं। ऐसे में आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मांगरोल में कहा कि मैंने नरेश मीणा को मेरे पास आने पर समझाया था कि आपने हमें छबड़ा चुनाव हराकर क्या हासिल कर लिया।

नरेश मीणा के दोस्त ही उनके दुश्मनः अशोक गहलोत

नरेश मीणा ऐसे व्यक्ति हैं एसडीएम से मारपीट की। गाली गलौज करते हैं। नेताओं के लिए क्या-क्या कहते हैं। सोशल मीडिया पर सब हम सुनते हैं। नरेश मीणा के लिए दुख होता है। मिस गाइड होकर वह राजनीति कर रहे हैं। कल मांगरोल में मीटिंग करके बड़े खुश हो रहे हैं। गहलोत ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि नरेश मीणा चुनाव नहीं जीतेंगे। वह बीजेपी को जीतने के लिए ऐसा कर रहे हैं। कांग्रेस का मीणा समाज रीड की हड्डी है। मीणा समाज अपना वोट खराब नहीं करेगा। गहलोत ने यह भी कहा कि मैं इनके गाइड करने वालों उनके सलाहकारों को ढूंढ रहा हूं, क्योंकि जो लोग नरेश मीणा के दोस्त बताते हैं वह दोस्त नहीं नरेश मीणा के दुश्मन है।

जब तक पतीले में दाल होती है तब तक चमचे रहते हैं- भजनलाल

अंता में रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बयान दिया कि अब राजस्थान में भ्रष्टाचार नहीं विकास चलेगा। कांग्रेस पर बयानी हमला करते हुए कहा कि भ्रष्टाचारियों व इनके चमचों को हम कैमरे में कैद कर रहे हैं। जब तक पतीले में दाल होती है, तब तक ही चमचे रहते हैं।दाल खत्म होने के बाद चमचे इधर-उधर हो जाते हैं। मैं स्पष्टवादी हूं और भ्रष्टाचार के खिलाफ दमदारी से लड़ने वाला हूं। हमारी सरकार इन भ्रष्टाचारियों को सबक सिखाने का काम करेगी। अंता की जनता को किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो लोग आज पैसे बांट रहे हैं, ये लोग कल तक गला काट रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वाले लोगों को यहां की जनता छोड़ेगी नहीं। सूत समेत वापस चुकाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि अंता की जनता को अपना ही नहीं अपनी आने वाली पीढ़ियों का भी भविष्य देखना है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास हो रहा है। अंता के लोगों को विकास की इस दौड़ में शामिल होना है।

दुश्मनों को सीधा संदेश, चीन सीमा पर गरजे राफेल-तेजस, गुवाहाटी में वायुसेना का रोमांचक हवाई प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गुवाहाटी

भारतीय सेना पाकिस्तानी सीमा से लेकर चीन से लगती अरुणाचल प्रदेश में ट्राई-सर्विसेज ड्रिल करने की तैयारी चल रही है, इन सबके बीच रविवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के सीने पर राफेल, तेजस और सुखोई जैसे मॉडर्न फाइटर जेट ने अपनी गर्जना से दुश्मनों के सीने को दहलाया। भारतीय वायुसेना ने अपने 93वें स्थापना दिवस समारोहों के क्रम में रविवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर एक शानदार हवाई प्रदर्शन किया। यह ऐतिहासिक अवसर असम की धरती पर पहली बार मनाया गया, जिसने पूर्वोत्तर भारत के गौरव में एक नया अध्याय जोड़ा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य थे। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, पूर्वी वायु कमान के एओसी-इन-सी एयर मार्शल सुरत सिंह, वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी और राज्य सरकार के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस वर्ष वायुसेना दिवस का विषय था, अचूक, अभेद्य व सटीक। लाचित घाट के ऊपर हुए इस रोमांचक फ्लाइंग डिस्प्ले में लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों की अद्भुत संगति देखने को मिली। गुवाहाटी के आसमान को रंगों से भरते हुए वायुसेना के विभिन्न विमानों ने अपनी शक्ति और सटीकता का प्रदर्शन किया। मुख्य आकर्षण रहे, तेजस (लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट), अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर, सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हॉक जेट्स, जो आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय शक्ति की दिशा में वायुसेना की प्रगति का प्रतीक हैं। हार्वर्ड, सुखोई-30 और राफेल विमानों की सांसें थमा देने वाली लो-लेवल एरोबेटिक्स ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के शानदार तालमेल भरे प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने पूरे दर्शक वर्ग को रोमांचित कर दिया। यह हवाई प्रदर्शन गुवाहाटी और पूर्वोत्तर भारत के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। वायुसेना के जवानों की अनुशासन, साहस और उत्कृष्ट समन्वय ने युवा दर्शकों में गर्व और देशसेवा की भावना को प्रबल किया, जिससे अनेक युवाओं ने भारतीय वायुसेना में करियर बनाने की प्रेरणा ली।

अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों?, राहुल गांधी ने सरकार को घेरा, उठाया साफ हवा का मुद्दा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में रविवार (09 नवंबर) को इंडिया गेट पर बढ़ते प्रदूषण के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग उठाई कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण को रोकने के लिए नीतियां बनाए। इस बीच दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को हिरासत में लिया। जिसके बाद कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सरकार के रवैये पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए देश में बढ़ते प्रदूषण और इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ सरकार के किए गए बर्ताव की आलोचना की। राहुल गांधी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि साफ हवा का अधिकार इंसानों का बुनियादी

अधिकार है, लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले नागरिकों को अपराधियों की तरह पेश किया जा रहा है। दरअसल, दिल्ली के इंडिया गेट पर वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था, क्योंकि उन्होंने बिना अनुमति एकत्र होकर विरोध किया। जिस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा और पूछा कि साफ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा, "स्वच्छ हवा का अधिकार एक बुनियादी मानवाधिकार है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार हमारे संविधान द्वारा सुनिश्चित किया गया है। शांतिपूर्ण ढंग से स्वच्छ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है?" राहुल गांधी ने आगे कहा कि वायु प्रदूषण करोड़ों भारतीयों को प्रभावित कर रहा है, हमारे बच्चों और हमारे देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है। लेकिन वोट चोरी के जरिए सत्ता में आई सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है, न ही वह इस संकट को हल करने का प्रयास कर रही है।

अगर परमाणु हथियारों का परीक्षण करेगा अमेरिका, तो रूस जवाब देना होगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मॉस्को

रूस ने रविवार को फिर दोहराया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किसी भी परमाणु परीक्षण का आदेश नहीं दिया है और देश सामूहिक विनाश के इस हथियार के परीक्षण पर लगाए गए प्रतिबंध का पालन करता रहेगा। यह बयान उस समय आया है, जब कुछ दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु हथियारों के परीक्षण को लेकर बयान दिया था। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रूसी टेलीविजन पर कहा, राष्ट्रपति पुतिन कई बार कह चुके हैं कि रूस परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों का पालन कर रहा है और हम ऐसे परीक्षण नहीं करेंगे।

बुद्ध के उपदेश भारत-भूटान के बीच पवित्र सेतुः पीएम मोदी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भूटान के नेतृत्व और उन लोगों की सराहना की जिन्होंने भारत से लाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का जबरदस्त श्रद्धा के साथ स्वागत किया। पीएम ने कहा कि बुद्ध के उपदेश दोनों देशों के बीच एक पवित्र कड़ी की तरह हैं। भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का एक हिस्सा शनिवार को भूटान की राजधानी थिम्फू स्थित प्रमुख मठ ताशिछो-डजोंग में स्थापित किया गया। इसे भूटान के सर्वोच्च आध्यात्मिक और राजनीतिक संस्थानों का केंद्र माना जाता है। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, मंत्रियों और केंद्रीय धार्मिक निकाय के वरिष्ठ लोफेंस ने भारत के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री वीरेंद्र कुमार के साथ इस स्थापना समारोह में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "भारत से लाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का आदरपूर्वक स्वागत करने के लिए भूटान के लोगों और नेतृत्व को हार्दिक धन्यवाद।" उन्होंने यह भी कहा कि ये अवशेष शांति, करुणा और सौहार्द का शाश्वत संदेश देते हैं। मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश भारत और भूटान की साझा आध्यात्मिक धरोहर के बीच एक पवित्र कड़ी की तरह हैं। थिम्फू स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को ताशिछो-डजोंग के ग्रैंड कुएनरे हॉल में पारंपरिक चिपड्रेल जुलूस, प्रार्थनाओं, धार्मिक अनुष्ठानों और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्थापित किया गया। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक, ये अवशेष 8 से 18 नवंबर तक ताशिछो डजोंग के कुएनरे हॉल में जनदर्शन के लिए रखे जाएंगे, जो भारत और भूटान के बीच गहन आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है।

शाह ने सासाराम की रैली में सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और लालू का नाम लेकर तीखी टिप्पणी की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सासाराम

गृहमंत्री अमित शाह ने सासाराम में सभा को संबोधित करते हुए आतंकवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और अवैध घुसपैठियों के मुद्दे को उछाला तथा विपक्षी नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकारों के समय आतंकवादियों पर कार्रवाई ढीली रहती थी, जबकि नरेंद्र मोदी सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। अमित शाह ने कहा, "जब सोनिया, मनमोहन और लालू के समय था, तो आतंकवादी घुस आते थे, हमारे देश में हमला करते थे और भाग निकलते थे, कोई सवाल नहीं करता था। नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद उरी हमले के जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक की गई और पुलवामा हमले के बाद हवाई कार्रवाई की गई। पाहलगाम में हमारे टूरिस्टों से उनके धर्म के बारे में पूछा गया और उन्हें मारा गया। 22 दिनों में हमने ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान में घुसकर आतंकवाद को समाप्त करने का काम किया।" उन्होंने शस्त्राई स्वर में कहा, "यहां मां शाक्तिपीठ की पवित्र भूमि पर मैं कहता हूं, अगर आतंकवादी गोली चलाएंगे तो हम गोलाबारी से जवाब देंगे। क्या आप जानते हैं वह गोला कहां बनेगा? प्रधानमंत्री मोदी बिहार में डिफेंस कॉरिडोर बनाएंगे और एक आर्डनेंस फैक्ट्री स्थापित की जाएगी।" घुसपैठियों के मुद्दे पर अमित शाह ने आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी नेता विशेषकर राहुल और तेजस्वी घुसपैठियों के समर्थन में यात्रा निकालते

हैं। उन्होंने कहा, "कुछ दिन पहले राहुल और तेजस्वी ने एक यात्रा निकाली थी, ये यात्रा उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली थी। हमारे देश में घुसपैठिये हमारे युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं, गरीबों के राशन में अपना हिस्सा ले रहे हैं और देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं।" अमित शाह ने स्पष्ट किया, "राहुल और तेजस्वी जो करना चाहें, करने दें, मैं आज सासाराम की धरती से यह कहता हूं कि हम बिहार और देश से एक-एक घुसपैठिए को निकालने का काम करेंगे। उन्होंने (राहुल और तेजस्वी) घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बना लिया है। हमें घुसपैठियों के वोट नहीं चाहिए, हम सासाराम के युवाओं के वोट और मेहनती दीदियों के वोट से जीतने आए हैं।" सभा में अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं के उल्लंघन तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार जैसे मुद्दों पर जोर देते हुए सरकार की नीतियों का बचाव किया

वोट चोरी नहीं हुई तो बनेगी महा गठबंधन की सरकारः राहुल गांधी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पटना

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने किशनगंज में रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी और आरएसएस पर हमला बोलते हुए नफरत फैलाने और वोट चोरी का आरोप लगाया। साथ ही बिहार की जनता से यूनिवर्सिटी समेत तमाम वादे किये। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। एक तरफ आरएसएस है, जो देश को जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा और लिंग के आधार पर बांटना चाहता है। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी और हमारा महागठबंधन है, जो हर धर्म और समुदाय के लोगों को एक साथ लाकर देश को एकजुट करना चाहता है। " उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मैंने 4,000 किलोमीटर की यात्रा एक ही संदेश के साथ की, 'नफरत के बाज़ार' में 'प्यार की दुकानें' खोलने के लिए। उनकी यात्रा नफरत फैलाती है, जबकि हमारी यात्रा प्यार फैलाती है। नफरत प्रधानमंत्री मोदी की सोच और खून में है, वह फूट डालना और दुश्मनी फैलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले मैंने हरियाणा को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, आपने देखा होगा कि कैसे 'हाइड्रोजन बम' फटा। मैंने प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह

और मुख्य चुनाव आयुक्त पर साफ आरोप लगाए कि वे वोट चुराने के लिए सांठगांठ कर रहे हैं, लेकिन क्या मोदी जी ने कोई जवाब दिया? क्या उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं, मैं वोट नहीं चुरा रहा हूं'? नहीं, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, क्योंकि मैंने देश के सामने सच बोला। राहुल ने कहा कि हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, लेकिन चुनाव में 25 लाख फर्जी वोट डाले गए, यहां तक कि मतदाता सूची में ब्राज़ील मॉडल की तस्वीरें भी मिलीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर आप लोग 'वोट चोरी' को रोकेंगे, तो बिहार में 100 प्रतिशत महागठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि अगर युवाओं को रोजगार देना है, तो बिना स्कूल-कॉलेज के नहीं हो सकता।

विधिक जागरूकता शिविर में दी कई कानूनी जानकारियां

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

तालुका विधिक सेवा समिति राजगढ़ की ओर से राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में नीमला गांव में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों एवं विधिक सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी देना था। विधिक सेवा समिति राजगढ़ की सचिव भाग्यश्री मीना ने बताया कि समिति अध्यक्ष एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. लेखपाल शर्मा के निर्देशन में इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पैरालीगल वॉलंटियर शिवकांत शर्मा ने बताया कि हर वर्ष 9 नवम्बर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उन लोगों तक न्याय पहुंचाने के उद्देश्य से मनाया जाता है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या कानूनी सहायता प्राप्त करने में असमर्थ हैं। शिवकांत शर्मा ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के तहत समाज के कमजोर वर्गों जैसे महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग, विकलांग व्यक्तियों, मानव तस्करी से प्रभावित लोगों और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस अधिनियम के अंतर्गत विवादों के निपटारे के लिए लोक अदालतों की स्थापना का भी प्रावधान है, जिससे सुलह-सफाई के माध्यम से विवादों का शीघ्र समाधान हो सके। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) की विभिन्न योजनाओं और उनके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि वे किसी भी कानूनी समस्या के समाधान के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही महिलाओं के अधिकार, बाल संरक्षण कानून, घरेलू हिंसा अधिनियम, साइबर अपराध से सुरक्षा और वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित कानूनों की जानकारी भी दी गई। शिविर के अंत में ग्रामीणों को न्यायिक प्रणाली में समान अवसर प्राप्त करने के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर आयोजित किए जाने चाहिए ताकि लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग रह सकें।

3000 किलो सॉस जब्त, 90 किलो दूषित मिठाई नष्ट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत रविवार को अलवर में खाद्य सुरक्षा दल ने बड़ी कार्रवाई की। सीएमएचओ योगेंद्र शर्मा के निर्देशन में टीम ने स्कीम नंबर 4 स्थित एक सॉस के थोक विक्रेता के यहां जांच की, जहां गोदाम से करीब 3000 किलोग्राम सॉस जब्त किया गया। ये सॉस 4 और 5 किलोग्राम पैकिंग वाले 718 प्लास्टिक कैन में भरा हुआ था परीक्षण के दौरान टीम को सॉस में अखाद्य रंग और अन्य हानिकारक केमिकल पदार्थों की मिलावट का संदेह हुआ। इस पर दो सॉस के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए, जबकि शेष करीब 3000 किलो सॉस को जब्त कर लिया गया। सीएमएचओ शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान रणजीत नगर क्षेत्र में स्थित एक दुकान से पनीर का नमूना भी जांच के लिए लिया गया। वहां गंदगी पाए जाने पर दुकान संचालक को फूड सेफ्टी एक्ट की धारा 32 के तहत इंप्रूवमेंट नोटिस दिया गया। इसी क्रम में शहर के 60 फीट रोड पर स्थित विभिन्न मिष्ठान भंडारों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान करीब 40 किलोग्राम दूषित मिठाई को मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसके अलावा गोविंदगढ़ मोड़, रामगढ़ स्थित एक मिठाई की दुकान से गुलाब जामुन का नमूना लिया गया और दुकान में रखी लगभग 50 किलोग्राम पुरानी मिठाई तथा 30 किलोग्राम दूषित चासनी को भी नष्ट कराया गया। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी केशव गोयल, विश्व बंधु गुप्ता, अशोक लखेरा और जय सिंह यादव मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि मिलावटखोरों पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य सामग्री मिल सके।

रूस में मिला लक्ष्मणगढ़ के अजीत का शव, चार दिन बाद भी पोस्टमार्टम नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

रूस के उफ़ा शहर में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे लक्ष्मणगढ़ उपखंड के गांव कफनवाड़ा निवासी अजीत चौधरी (22) का शव मिलने के बाद चौथे दिन भी पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। 19 अक्टूबर से लापता चल रहे अजीत का शव 19 दिन बाद 6 नवंबर को व्हाइट रिवर से सटे एक बांध में मिला था। लेकिन रूसी पुलिस अब भी जांच पूरी होने का हवाला देकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई में देरी कर रही है, जिससे शव भारत नहीं पहुंच सका है। अजीत की मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम का माहौल है। घर में न तो चूल्हा जल रहा है, न ही कोई कुछ खाने की स्थिति में है। पड़ोसियों की ओर से खाना भिजवाया जाता है, पर शोकग्रस्त परिवार के गले से निवाला तक नहीं उतर रहा। मां और बहन बेटे की याद में बार-बार बेहोश हो रही हैं। पूरी रात मां विलाप करती रहती है और जब कोई मिलने आता है, तो रोते हुए बस एक ही गुहार लगाती है–"मेरा अजीत मुझे वापस दिला दो।" परिजनों के मुताबिक, रूस स्थित भारतीय दूतावास से लगातार संपर्क किया जा रहा है, लेकिन वहां से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही। दूतावास का कहना है कि रूसी पुलिस पहले मामले की पूरी जांच कर रही है, उसके बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अजीत के चाचा भोमसिंह चौधरी ने बताया कि दूतावास से फोन पर हुई बातचीत में अधिकारियों ने पोस्टमार्टम में कुछ और दिन लगने की संभावना जताई है। 19 दिन तक लापता रहने के बाद शव मिलने से परिवार में एक ओर बेटे के अंतिम दर्शन की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब शव के भारत आने में देरी से पीड़ा और बढ़ गई है। गांव के लोग भी परिजनों को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं, पर हर किसी की आंखें नम हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार को इस मामले में तत्परता दिखाकर शव को जल्द भारत लाने की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि परिवार को अंतिम संस्कार का अवसर मिल सके।

सोता नदी किनारे 21 ट्यूबवैल लगाने पर ग्रामीणों का विरोध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

साहबी नदी की सहायक सोता नदी के किनारे कांकरा-मोहम्मदपुर स्थित कुड़ी आश्रम गोशाला के पास जलदाय विभाग द्वारा 21 ट्यूबवैल लगाने और पंप हाउस निर्माण की योजना को लेकर ग्रामीणों ने कड़ा विरोध जताया। रविवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने गोशाला के पास बैठक कर कहा कि क्षेत्र में पहले ही भूजल स्तर नीचे जा रहा है, ऐसे में नए ट्यूबवैल लगने से स्थिति और बिगड़ जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि नदी क्षेत्र के आसपास ट्यूबवैल नहीं लगने दिए जाएंगे और जल्द ही उपखंड अधिकारी व जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

आठ गांवों का आवागमन संकटः प्राचीन रास्ते पर अतिक्रमण से बढ़ा तनाव

नगरपालिका की अनदेखी से कभी भी हो सकता है संघर्ष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

उपखंड मुख्यालय के बीच से होकर गुजरने वाला वह प्राचीन रास्ता, जो भैरपुरी, हनुमानबास, मंजप्पा जाट, रायपुर, हसनपुर, हरसाना, सैमला और सजनपुरी सहित आठ गांवों को कस्बे से जोड़ता है, अब अतिक्रमण की भेंट चढ़ गया है। दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों द्वारा किए गए कब्जों से मार्ग पूरी तरह संकुचित हो गया है, जिससे आए दिन जाम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। नगरपालिका प्रशासन की लापरवाही के चलते ग्रामीणों और अतिक्रमणकारियों के बीच कभी भी बड़ा संघर्ष हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर अतिक्रमण इतना बढ़ गया है कि अब एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपात सेवाएं तक वहां से निकल नहीं पातीं। किसी प्रसव पीड़ित महिला को अस्पताल ले जाना हो या दुर्घटना स्थल पर फायर ब्रिगेड पहुंचानी हो, जाम में फंसने के कारण कई बार जीवन संकट में पड़ जाते हैं। किसानों को भी अपनी फसल मंडी तक पहुंचाने में भारी कठिनाई झेलनी पड़ती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले ग्राम पंचायत द्वारा गरीबों को जीविका के लिए अस्थायी थड़ी लगाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन समय के साथ इन अस्थायी दुकानों को पक्के ढांचों में बदल दिया गया। सरपंचों ने वोट बैंक की राजनीति के चलते इन अतिक्रमणकारियों को मौखिक स्वीकृति दे दी। अब नगर पालिका बनने के बाद न तो किसी से किराया लिया जा रहा है और न ही कब्जा हटाने की कोई कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वे इस समस्या को लेकर कई बार उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, और यहां तक कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव तक शिकायतें भेज चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। परिणामस्वरूप, रोजाना दुकानदारों और ग्रामीणों के बीच झगड़े, बहसबाजी और गाली-गलौज की घटनाएं होती रहती हैं। शनिवार को सजनपुरी के एक किसान का ट्रैक्टर रास्ते में फंसने पर घंटों विवाद हुआ, जिससे बाजार पूरी तरह जाम हो गया। सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र शर्मा का कहना है कि "प्रशासन कुंभकर्णीय नींद में सो रहा है। यदि जल्द ही अतिक्रमण नहीं हटाया गया और रास्ते को पुरानी पैमाइश के अनुसार खाली नहीं कराया गया, तो हम इस मामले को हाईकोर्ट में ले जाएंगे।" उन्होंने कहा कि यह प्रशासन अब न सुनता है, न देखता है। ग्रामीणों की मांग है कि नगरपालिका प्रशासन तत्काल पुरानी पैमाइश के आधार पर रास्ते का सर्वे कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू करे, ताकि आठ गांवों के लोगों को फिर से निर्बाध आवागमन मिल सके और संभावित संघर्ष की स्थिति टाली जा सके।

अलवर जिले में सड़क सुरक्षा अभियान का व्यापक असर, छह दिन में 1844 कार्य पूरे और 6816 चालान जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका के निर्देशन और मॉनिटरिंग में अलवर जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के तहत उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। 4 नवम्बर से 18 नवम्बर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत केवल छह दिनों में ही सड़क सुरक्षा से जुड़े 1844 कार्य पूरे किए गए तथा 6816 वाहनों के चालान जारी किए गए। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेशव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत अलवर जिले में विभिन्न विभागों ने समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई की। अभियान के दौरान 101.50 किलोमीटर लंबाई में पैच रिपेयर, 126.30 किलोमीटर लंबाई में नालों की सफाई, 132.80 किलोमीटर बर्म्स रिपेयर, 20 स्पीड ब्रेकर निर्माण और पेंटिंग, दो स्थानों पर सेंटर/ऐज लाइन कार्य, एक अतिक्रमण हटाने, सात संकेतक बोर्ड लगाने, चार अवैध कट बंद कराने और 11 स्थानों पर डिवाइडर की मरम्मत एवं पेंटिंग कार्य किए गए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने 312 वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण किया, प्रतिदिन सात एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की और 125 ओपीडी, 23 आईपीडी तथा 15 रेफर चिकित्सा सुविधाओं का सत्यापन किया। पुलिस विभाग ने बिना रिफ्लेक्टर और नंबर प्लेट वाले छह वाहनों, बिना हेलमेट के 1501 चालकों, ड्रिंक एंड ड्राइव के 30, ओवरस्पीड के 237, बिना सीट बेल्ट के 285, मोबाइल पर बातचीत करते हुए वाहन चलाने पर 42, गलत दिशा या खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 32 और अन्य कारणों से 4014 चालान किए। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने ओवरलोडिंग के 16, अनाधिकृत संचालन के 48, फिटनेस नियम उल्लंघन के 32 और अन्य मामलों में कुल 573 चालान जारी किए। साथ ही 1885 लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया तथा 595 वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई गई। नगर निगम ने शहर के पांच मुख्य बाजारों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की, 408 लाइटों की मरम्मत कराई और 115 नई लाइटें लगाईं। इसके अलावा डोर टू डोर कचरा संग्रहण में कर्मचारियों को गीला-सूखा कचरा अलग-अलग करने की समझाइश दी गई और 54 आवारा पशुओं को पकड़ा गया। श्रम विभाग ने 11 ट्रांसपोर्ट कंपनियों से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण किया, 33 प्रकरणों में चालकों के कार्य एवं विश्राम समय का सत्यापन किया और 90 स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। जिले में यह अभियान सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन की गंभीरता को दर्शाता है। निरंतर निरीक्षण और विभागीय समन्वय से आमजन में सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

रात में कृषि बिजली सप्लाई से किसान नाराज़, जीएसएम पर ठप कराई बिजली, किया विरोध प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टहला

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल) सब डिवीजन प्रशासन द्वारा क्षेत्र के किसानों को रात में सिंचाई के लिए बिजली आपूर्ति देने के निर्णय से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। रविवार को इस फैसले के विरोध में टोडा जयसिंहपुरा, धोलीखान, पालपुर, रामपुरा सहित आसपास के कई गांवों के किसानों और ग्रामीणों ने जीएसएम पर पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित किसानों ने फीडर से सभी तरह की बिजली सप्लाई ठप कर दी और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों ने कहा कि पिछले कई वर्षों से दिन में बिजली आपूर्ति की जा रही थी, जिससे सिंचाई कार्य में आसानी रहती थी। लेकिन अब रात में बिजली देने से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में पूरी रात खेतों में पानी में खड़े रहना मुश्किल है, साथ ही जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है। महिला कृषक परिवारों के लिए भी यह व्यवस्था असुरक्षित और परेशानीभरी है। ग्रामीणों ने जीएसएम पर मौजूद विद्युत विभाग के कर्मचारियों को ज्ञापन सौंपा और स्पष्ट किया कि जब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे। किसानों की मांग थी कि पूर्ववत् व्यवस्था लागू की जाए और दिन में ही बिजली सप्लाई दी जाए, ताकि सिंचाई कार्य सुरक्षित तरीके से किया जा सके। विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पहुंचे विद्युत विभाग के सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता ने किसानों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने जन आक्रोश को देखते हुए तुरंत संज्ञान लिया और आश्वासन दिया कि रात्रीकालीन बिजली सप्लाई फिलहाल बंद रखी जाएगी तथा फीडर से निकलने वाले ब्लॉक को पूर्ववत् दिन के समय निर्धारित किया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों और ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त किया और शांति से वापस लौट गए। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिजली सप्लाई फिर से रात में दी गई, तो वे पुनः आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

शराबी बेटे का खूनी खेलः बुजुर्ग माता-पिता की कुल्हाड़ी से हत्या, मां का कड़ा भी ले गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के बड़ौदामेव थाना क्षेत्र के हादरहेड़ा गांव में शनिवार देर रात एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। शराब के नशे में चूर 25 वर्षीय ओमप्रकाश जाटव ने अपने ही बुजुर्ग माता-पिता की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान हरियाराम जाटव (65) और शांति जाटव (62) के रूप में हुई है। हत्या के बाद आरोपी ने शवों को रजाई से ढक दिया और फरार हो गया। इतना ही नहीं, वह अपनी मां के पैर से चांदी का कड़ा भी निकाल कर साथ ले गया। रविवार सुबह पड़ोस में रहने वाली एक युवती किसी काम से जब उनके घर पहुंची तो दरवाजा बंद मिला। दरवाजा खोलने पर भीतर का दृश्य देख वह सन्न रह गई–घर में चारों ओर खून फैला था। उसने तुरंत शोर मचाया और परिजनों को बुलाया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो हरियाराम और शांति दोनों के शव अलग-अलग कमरों में पड़े थे। सूचना मिलने पर बड़ौदामेव थानाधिकारी विजयपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुका था। थानाधिकारी के अनुसार, ओमप्रकाश शनिवार रात शराब पीकर घर लौटा था और किसी बात को लेकर माता-पिता से झगड़ा हुआ। गुस्से में उसने कुल्हाड़ी से कई वार कर दोनों की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, ओमप्रकाश अविवाहित था और आए दिन शराब के नशे में घरवालों से विवाद करता था। गांववालों ने बताया कि नशे की बुरी लत के कारण उसकी शादी नहीं हो पाई थी, जिससे वह अक्सर परिजनों पर गुस्सा निकालता था। घटना की सूचना पर मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। उन्होंने इस निर्मम हत्या पर गहरा रोष व्यक्त किया। कई लोगों ने बताया कि आरोपी का व्यवहार लंबे समय से हिंसक था, लेकिन उसने इस हद तक जा सकता है, किसी ने सोचा भी नहीं था। इस मामले में मृतक दंपती के दूसरे बेटे मोरपाल सिंह ने बड़ौदामेव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि ओमप्रकाश शराब पीने के लिए पैसों की मांग करता था, और इनकार करने पर आए दिन माता-पिता से झगड़ा करता था। शनिवार रात उसने क्रोध और नशे के जोश में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है और आरोपी की तलाश में टीमें गठित कर दी हैं। गांव में इस घटना के बाद मातम का माहौल है और हर कोई यह सवाल पूछ रहा है कि आखिर एक बेटा अपने ही माता-पिता का दुश्मन कैसे बन गया।

प्याज किसानों का दर्द फूटा, जयपुर कूच का ऐलानः बोले- प्याज ने रुला दिया, अब सरकार से जवाब मांगेंगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

प्याज के लगातार गिरते भावों से त्रस्त अलवर जिले के किसानों ने अब जयपुर कूच कर आंदोलन करने का ऐलान किया है। रविवार को अलवर की सब्जी मंडी में किसानों और व्यापारियों की एक बड़ी बैठक हुई, जिसमें लगभग 20 से 25 गांवों के करीब 700 से अधिक किसान शामिल हुए। बैठक में प्याज की गिरती कीमतों और बढ़ते नुकसान को लेकर तीखी नाराजगी व्यक्त की गई। किसानों ने कहा कि मेहनत, खाद, बीज और सिंचाई पर खर्च करने के बाद भी उन्हें फसल की लागत तक नहीं मिल रही। मालाखेड़ा के किसान रामअवतार ने कहा कि "प्याज हमें रुला रही है, अब तो आत्महत्या करने की नौबत आ गई है। खेत में लागत पूरी करना तो दूर, परिवार चलाना भी मुश्किल हो गया है।" चिकानी गांव के किसान साहोल ने बताया कि मंडियों में 2 रुपए किलो भाव मिलने पर किसान प्याज को नदियों में फेंक रहे हैं, क्योंकि कटाई और परिवहन का खर्च ही उससे ज्यादा पड़ता है। खेतों में टनों प्याज सड़ रहा है। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, विधायक ललित यादव, व्यापारी पप्पू प्रधान सहित कई किसान नेता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। पूर्व मंत्री जितेंद्र सिंह ने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि "अलवर जिले में दो-दो मंत्री हैं– एक केंद्र में, एक राज्य में– फिर भी किसान और व्यापारी परेशान हैं। किसानों की आवाज सरकार तक नहीं पहुंचाई जा रही। न कोई राहत, न कोई सब्सिडी मिल रही है।" उन्होंने कहा कि जयपुर में प्रस्तावित आंदोलन में वे किसानों के साथ सरकार से जवाब मांगेंगे। विधायक ललित यादव ने कहा कि "किसान अपनी मेहनत की उपज नालों में बहा रहे हैं, इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या होगा। सरकार को किसानों की यह वेदना सुननी ही होगी।" मंडी व्यापारी पप्पू प्रधान ने बताया कि जयपुर कूच को लेकर अंतिम निर्णय जल्द लिया जाएगा। आंदोलन पूरी तरह किसानों का होगा और इसमें किस जनप्रतिनिधि को साथ रखा जाए, यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाएगा। किसानों का कहना है कि जब तक प्याज उत्पादकों को न्यूनतम समर्थन मूल्य या मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक वे चैन से नहीं बैठेंगे। खेतों में सड़ती प्याज और खाली जेबों ने अब किसानों को सड़कों पर उतरने को मजबूर कर दिया है।

ड्रिंक में जहर मिलाकर युवक की हत्या का आरोप, फोन पर खुद बताई थी बात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

थानागाजी थाना क्षेत्र के मेजोड़ गांव में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने चार लोगों पर ड्रिंक में जहरीली दवा मिलाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक की पहचान प्रतापगढ़ थाना क्षेत्र के धोली दांती निवासी 24 वर्षीय राजकुमार मीणा पुत्र रामजीलाल मीणा के रूप में हुई है। राजकुमार पिछले करीब 15 दिनों से अपनी मौसी के घर मेजोड़ में रहकर ष्टतरु और पृथ्वी विज्ञान की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। शनिवार शाम अचानक उसने अपने परिजनों को फोन पर बताया कि किसी ने उसे ड्रिंक में जहरीला पदार्थ पिला दिया है, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई है। यह सुनते ही परिजन घबरा गए और तत्काल उसकी मौसी को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। परिजनों की सूचना पर युवक को तुरंत थानागाजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे अलवर रेफर कर दिया। लेकिन रात करीब 10 बजे उपचार के दौरान राजकुमार ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन जिला अस्पताल पहुंचे और आरोप लगाया कि चार अज्ञात लोगों ने साजिश के तहत जहर देकर राजकुमार की हत्या की है। परिजनों का कहना है कि युवक की किसी से कोई पुरानी रंजिश नहीं थी, जिससे यह घटना और भी संदिग्ध हो गई है। थानागाजी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मृतक के मोबाइल की कॉल डिटेल्स खंगाल रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में मिले तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी। राजकुमार की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया। गांव में शोक का माहौल है, वहीं परिजन लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

भिवाड़ी के सेक्टर 1 में पानी की किल्लत से लोग हुए परेशान जलदाय विभाग पर लापरवाही का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के यूआईटी सेक्टर 1 मनसा चौक के पास में पिछले तीन दिनों से नलों में पानी नहीं आने से लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सेक्टर 1 के निवासियों ने बताया कि जलदाय विभाग को कई बार स्थिति से अवगत कराने के बाद भी उन्होंने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया है। घरों में नहाने, धोने और पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। स्थानीय महिलाओं ने जलदाय विभाग से जल्द से जल्द इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। इस अवसर पर सेक्टर 1 की बहुत सी महिलाएं उपस्थित रही।

बाबा भर्तृहरि के भंडारे से विधिवत कार्यक्रम का हुआ समापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

खैरथल तिजारा श्री राजर्षि अभय समाज अलवर द्वारा इस वर्ष के श्री रामलीला एवं नाटक महाराज भर्तृहरि प्रदर्शन के उपरांत रविवार को अभय समाज के पदाधिकारी कलाकारों एवं स्वयंसेवकों द्वारा बाबा भर्तृहरि के स्थान पर जाकर विधिवत हवन आदि करके भंडारे का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा के कुशल नेतृत्व तथा महामंत्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा के उचित मार्गदर्शन एवं महानिदेशक मनोज कुमार गोयल के निर्देशन में कलाकारों के कुशल अभिनय द्वारा इस वर्ष का कार्यक्रम बाबा भर्तृहरि के भंडारे के साथ संपन्न हुआ, सभी पदाधिकारी कलाकार सदस्य बाल कलाकार एवं स्वयंसेवकों ने बड़ी ही श्रद्धा पूर्वक बाबा भर्तृहरि के स्थान पर आकर हवन आदि करके भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया और इसी के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। राज ऋषि अभय समाज के प्रचार मंत्री अमृत खत्री ने यह जानकारी दी।

श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन कॉलेज की छात्राओं का सांसद खेल उत्सव में शानदार प्रदर्शन, बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

खैरथल तिजारा जिले के तिजारा कस्बे में स्थित श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन कन्या स्नातकोत्तर एवं बी एड महाविद्यालय की की अंडर 22 वर्ग की छात्राओं ने सांसद खेल उत्सव के तहत आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता में अंजलि ने प्रथम स्थान दिव्या सुनारिया ने द्वितीय स्थान तथा कोमल यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। छात्राओं की इस उपलब्धि से कॉलेज सहित टीम प्रभारी बबली यादव तथा परिजनों ने खुशी व्यक्त की है, इस उपलब्धि में प्रबंध समिति, प्राचार्या एवं खेल प्रभारी का विशेष योगदान रहा है। अब इन छात्राओं का चयन अलवर जिला स्तरीय सांसद खेल प्रतियोगिता के लिए हो गया है जो की 14 नवंबर 2025 को अलवर में आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभक्ति कार्यक्रमों ने बांधा समा

सांस्कृतिक संध्या पर आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राष्ट्रगीत वंदे मातरम@150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन रविवार सायं अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट की मुख्य आतिथ्य में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरथल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट, सहायक निदेशक पर्यटन विभाग संजय कुमार खन्ना, जिला शिक्षा अधिकारी शकुंतला मीणा, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा एवं उपसभापति वरुण डाटा ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के गायन के साथ किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा द्वारा सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर आकर्षक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारीगण, नगर परिषद कनिष्क अभियंता मोतीलाल वर्मा, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे रहें। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता अभिषेक कौशिक ने किया ।

अलवर-भिवाड़ी हाईवे पर सरस डेयरी की दूध वैन पलटी, 55 ड्रम फटकर सारा दूध सड़क पर बिखरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़ बास

अलवर-भिवाड़ी हाईवे पर पापड़ी स्टैंड के निकट रविवार सुबह करीब 10 बजे एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। तिजारा से अलवर जा रही सरस डेयरी की पिकअप वैन का अचानक आगे का टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वैन सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में वैन में लदे कुल 65 दूध के ड्रमों में से 55 ड्रम क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें भरा सारा दूध हाईवे पर फैल गया। दूध की मोटी परत सड़क पर जमने से कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया।गनीमत रही कि व्यस्त समय होने के बावजूद कोई अन्य वाहन पास से नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। वैन चालक को मामूली चोटें आईं, लेकिन वह खतरे से बाहर है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे तथा चालक को वैन से बाहर निकाला। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया।पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वैन को हाईवे से हटवाया। प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण टायर फटना पाया गया है। चालक ने बताया कि वाहन सामान्य गति से चल रहा था, तभी अचानक टायर फटने से संतुलन बिगड़ गया। पुलिस ने वैन को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।दूसरी ओर, सरस डेयरी के अधिकारियों को घटना की जानकारी मिलते ही उनकी टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बचे हुए 10 ड्रम दूध को सुरक्षित निकालकर दूसरे वाहन से डेयरी पहुंचाया। दूध फैलने से सड़क फिसलन भरी हो गई, जिसे सफाई कर्मियों ने धोकर सामान्य किया। हाईवे पर करीब एक घंटे बाद यातायात पूरी तरह बहाल हो सका।स्थानीय लोगों ने बताया कि हाईवे पर ओवरलोड वाहनों और खराब टायरों की वजह से आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। प्रशासन से मांग की गई है कि वाहनों की नियमित जांच और ओवरलोडिंग पर सख्ती की जाए।

बजरंग दल, विहिप भिवाड़ी की बैठक में नए दायित्व घोषितः आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा, धर्म रक्षा निधि पर जोर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) एवं बजरंग दल की भिवाड़ी जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को प्रखंड कोटकासिम में आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रांत सह-मंत्री विवेक ने की, जिन्होंने आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की तथा कार्यकर्ताओं को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की गतिविधियों को मजबूत करना तथा हिंदू समाज की रक्षा एवं सेवा के संकल्प को दोहराना था। लगभग 45 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने संगठन की एकजुटता को प्रदर्शित किया।प्रांत सह-मंत्री विवेक ने धर्म रक्षा निधि पर विशेष जोर देते हुए सभी कार्यकर्ताओं से इसके लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह निधि हिंदू समाज की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा इसके विस्तार से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। इसके अलावा, व्यापक गृह संपर्क अभियान को और मजबूत करने पर बल दिया गया, ताकि संगठन का संदेश समाज के अंतिम छोर तक पहुंच सके। विवेक ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि आगामी महीनों में धार्मिक उत्सवों, गौ रक्षा अभियानों तथा सामाजिक सेवा कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि बजरंग दल के युवा कार्यकर्ता इन योजनाओं के माध्यम से हिंदू संस्कृति की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभाएं।बैठक के दौरान संगठन के जिला एवं प्रखंड स्तर पर नवीन दायित्वों की घोषणा की गई, जो संगठन की कार्यप्रणाली को नई गति प्रदान करेंगी। सोनू गुर्जर को बजरंग दल का जिला संयोजक नियुक्त किया गया। संगीता कर्मकार को मातृशक्ति संयोजिका का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। इसी क्रम में यशपाल आचार्य को जिला गौ रक्षा प्रमुख, ओम प्रकाश सैनी को जिला विशेष संपर्क प्रमुख तथा प्रवीण को जिला सेवा प्रमुख बनाया गया। इसके अलावा, जिला एवं प्रखंड स्तर पर कई अन्य नियुक्तियां की गईं, जिनमें प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख, सह-संयोजक आदि पद शामिल हैं। ये नियुक्तियां संगठन की संरचना को और सशक्त बनाएंगी।इस अवसर पर जिला मंत्री मुकेश सैनी, जिला उपाध्यक्ष इंदु त्यागी, जिला सत्संग प्रमुख भास्कर भारद्वाज, जिला सह-मंत्री राजेश, प्रखंड अध्यक्ष भिवाड़ी सोमदत्त, प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख तिजारा प्रमोद सैनी, प्रखंड अध्यक्ष खैरथल राकेश शर्मा, बजरंग दल संयोजक पवन सोनी, प्रखंड अध्यक्ष कोटकासिम जितेंद्र खरेरा, प्रखंड सह-संयोजक राकेश कुमार तथा प्रखंड अध्यक्ष किशनगढ़ बास विपिन राजपूत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर इन दायित्वों को निभाने तथा हिंदू समाज की सेवा में समर्पित रहने का संकल्प लिया। प्रांत सह-मंत्री विवेक ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि यह बैठक संगठन की भावी योजनाओं को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी। स्थानीय स्तर पर संगठन की ये पहलें हिंदू एकता को बढ़ावा देने वाली मानी जा रही हैं।

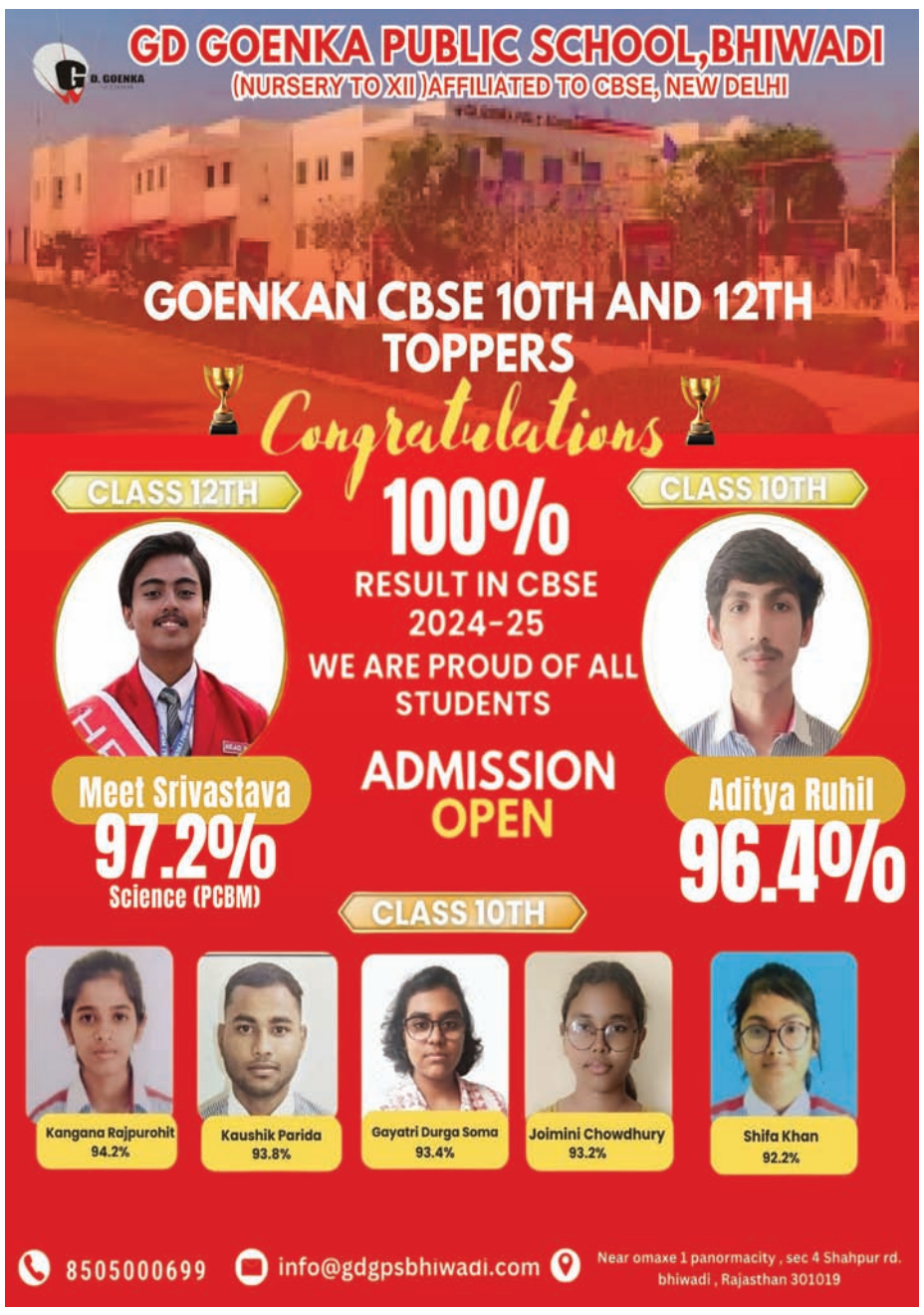

हिलव्यू गार्डन सोसाइटी की नई RWS कार्यकारिणी ने ली शपथ

राकेश शर्मा दूसरी बार अध्यक्ष बने, पूर्व विधायक संदीप यादव मुख्य अतिथि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

हिलव्यू गार्डन सोसाइटी में रविवार को रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी (RWS) की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संदीप यादव तथा विशिष्ट हर्ष यादव रहे। सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य जे आर यादव ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सैकड़ों निवासियों की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह ने सोसाइटी की एकजुटता को दर्शाया।नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में राकेश शर्मा को दूसरी बार अध्यक्ष, धर्मेंद्र कुमार को महासचिव तथा राहुल गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष पद पर शीला चौहान, सुनील जांगिड़ एवं जगदीप कुमार; सहसचिव पद पर मिहिर मिश्रा, हरीश भट्ट, राजेंद्र जिंदल एवं अरुण पांडे; तथा सहकोषाध्यक्ष पद पर दिलीप पांडेय नियुक्त हुए। इसके अलावा मनीराम यादव, कुलदीप गुप्ता, अरविंद परासर, मीणा गुप्ता, स्वेता सिंह, शशांक श्रीवास्तव, रितेश कुमार, विवेक चौहान, रमेश भट्ट एवं रामचंद्र शर्मा सहित दस सदस्यों ने भी शपथ ली।महासचिव धर्मेंद्र कुमार ने पिछले दो वर्षों के विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने आगामी कार्यकाल के लिए मजबूत योजनाएं साझा कीं तथा घोषणा की कि वर्तमान 21 सदस्यों के अलावा शीघ्र ही 100 नए सदस्यों की कमेटी गठित की जाएगी, जिससे कुल 121 सदस्यों की टीम सोसाइटी के विकास को गति देगी।कार्यक्रम में राजपाल यादव, KDM स्कूल संचालक संजय सिंह, अशोक कौशिक, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. गौरव भारद्वाज, निर्वाचन अधिकारी प्रवीण चौहान, वीरेंद्र यादव, पुष्पेंद्र कटारा, सुभाष चंद्र, सुनील मिश्रा, बृजेंद्र पुष्करणा, कंवर सिंह यादव, मनीष गुप्ता, वेद गुप्ता, सुनील यादव, शरणजीत सिंह, अतर सिंह, एस वी सिंह, सनी देओल सिंह, रविंद्र, प्रिंसी, अनीता, संदीप चौहान, अनुज शर्मा, निलेश, अमलेश, अजय पराशर, प्रदीप पांडे, राजेंद्रन, प्रमोद झा, दीपक, प्रदीप भंडारी, हरेंद्र बिष्ट, पवन कुमार, जय भगवान, राजू शर्मा, राजेंद्र यादव, रामकिशन जांघू सहित टेरा ग्रीन, टेरा एलिगेंस, आशियाना टाउन एवं टीएचडी गार्डन के RWS पदाधिकारी उपस्थित रहे।समारोह के अंत में अध्यक्ष राकेश शर्मा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं निवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन सोसाइटी के सामूहिक विकास एवं समरसता का प्रतीक बना।

अहीरबासना में बाबा खेतानाथ का 14वां विशाल भंडाराः पूर्व विधायक रामहेत यादव ने की पूजा, रक्तदान शिविर में दर्जनों यूनिट रक्त एकत्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

कोटकासिम प्रखंड के अहीरबासना गांव में रविवार को श्री श्री 1008 बाबा खेतानाथ महाराज के 14वें विशाल भंडारे एवं रक्तदान शिविर का आयोजन भक्ति और सेवा के अनुपम संगम के साथ संपन्न हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आयोजित इस पावन कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने बाबा खेतानाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की, धोक लगाई तथा साधु-संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।पूर्व विधायक ने क्षेत्रवासियों को सुख-समृद्धि की शुभकामनाएं देते हुए कहा, "बाबा खेतानाथ महाराज की कृपा से यह भंडारा न केवल भक्ति का प्रतीक है, बल्कि मानव सेवा का अनमोल उदाहरण भी है। रक्तदान जैसे पुण्य कार्य से हम जरूरतमंदों की जान बचा सकते हैं और समाज में एकता व सहयोग की भावना को मजबूत कर सकते हैं।" उन्होंने आयोजकों की सराहना की तथा ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विशाल भंडारा रहा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही रक्तदान शिविर में युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्थानीय चिकित्सा टीम की निगरानी में दर्जनों यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो नजदीकी अस्पतालों में गंभीर मरीजों के लिए जीवनदायी सिद्ध होगा। आयोजकों ने बताया कि यह शिविर बाबा के प्रति समर्पण के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम बना।अहीरबासना सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बाबा के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। भक्तों का मानना है कि बाबा खेतानाथ महाराज की विशेष कृपा से क्षेत्र में समृद्धि, शांति और सद्भाव का वातावरण बना रहेगा। यह आयोजन धार्मिक उत्साह और सामाजिक सेवा का अनोखा संगम साबित हुआ, जिसने क्षेत्र में एकता की नई मिसाल कायम की।आयोजकों ने सभी भक्तों, स्वयंसेवकों, चिकित्सा टीम और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

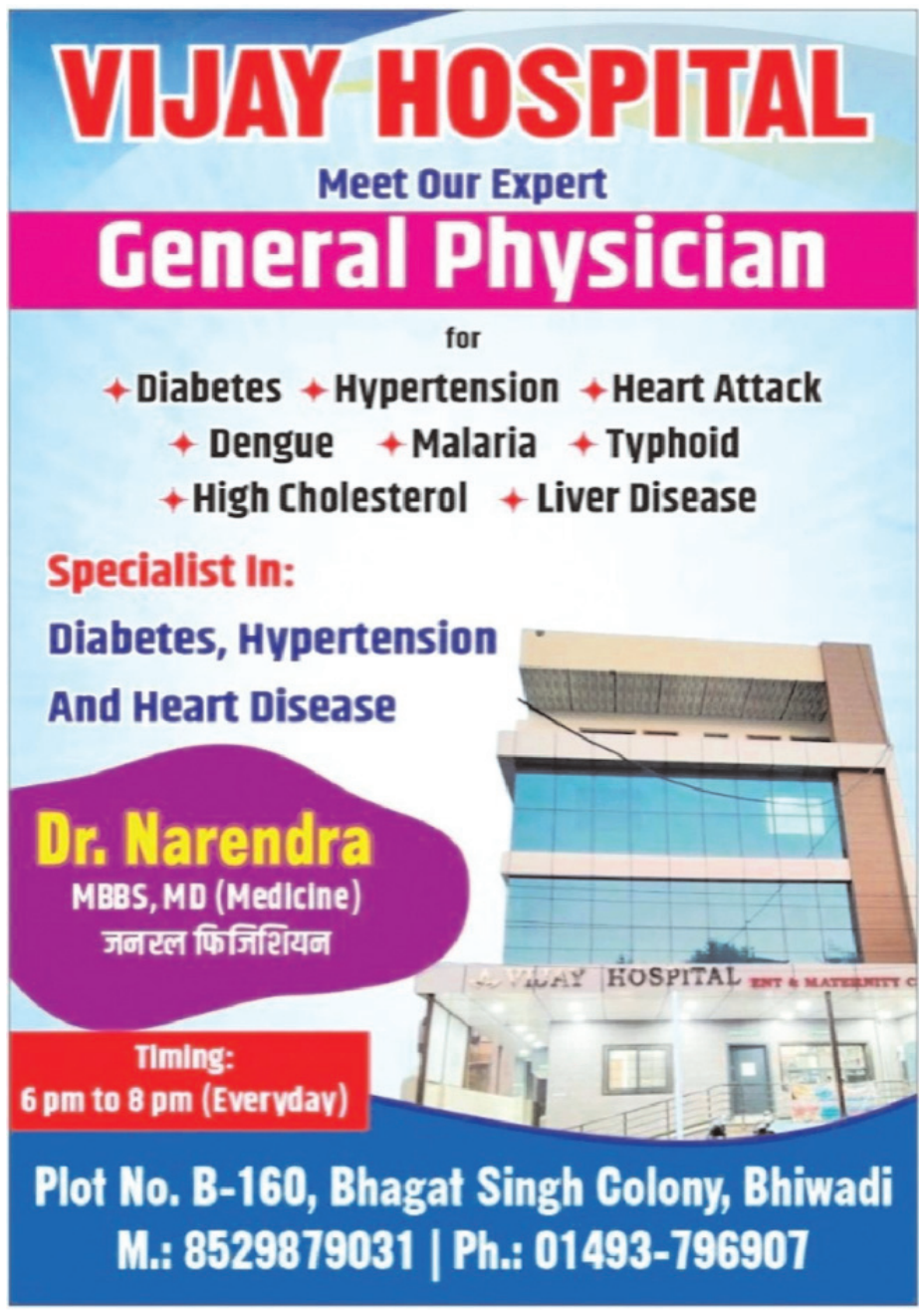

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली: मौतों का भयावह यथार्थ

ललित गर्ग

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ 'सफलता' का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है।

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ 'सफलता' का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को 'प्रदर्शन की प्रतियोगिता' बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है। एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में

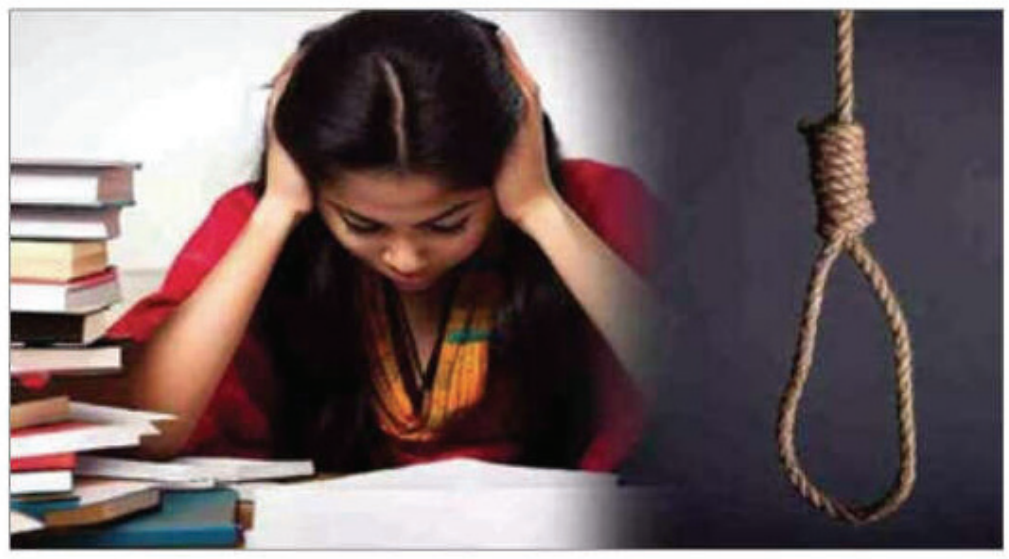

डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-'पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।' आज की शिक्षा बच्चों को केवल 'जानकार' बना रही है, 'ज्ञानी' नहीं। विद्यालयों में र ामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा 'प्रतियोगिता का उद्योग' पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में 'होलिस्टिक लर्निंग', 'जॉयफुल एजुकेशन', 'रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर' जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनि त करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-'शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।' स्वामी विवेकानंद ने भी कहा 'शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।' परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना नि त है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि 'तनाव से कैसे निपटें', 'असफलता को कैसे स्वीकारें' या 'भावनाओं को कैसे व्यक्त करें।' जिन्हें हम 'टॉपर' कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-'सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।' समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन का कहर

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि द लांसेट की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया।

किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती। हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठा रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

हर मोर्चे पर पिटती पाक सेना और मुनीर को तमगे

सनत जैन

पाकिस्तान की राजनीति और सेना के बीच का रिश्ता हमेशा से सत्ता संघर्ष और आपसी हितों की खींचतान में उलझा रहा है। मगर हालिया घटनाओं ने इस रिश्ते की जटिलता को और गहरा कर दिया है। जिस वक्त पाकिस्तान की सेना तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे संगठनों से बल्कि प्रत्येक मोर्चे पर लगातार पराजय झेल रही है, उसी वक्त शहबाज सरकार ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को नई शक्तियां देने का रास्ता निकाल लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संविधान में संशोधन का 27वां बिल संसद में पेश कर रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद सृजित किया है और इस पद पर नियुक्ति का ताज असीम मुनीर के सिर सजने वाला है। यह संशोधन महज एक प्रशासनिक कदम नहीं कहा जा सकता बल्कि इसे सत्ता-संतुलन के खेल का अहम हिस्सा माना जाना चाहिए। यह कौन नहीं जानता कि पाकिस्तान में सेना की मर्जी के बगैर कोई भी लोकतांत्रिक सरकार चार दिन भी नहीं चल सकती है। सेना का प्रभाव इतना गहरा है कि सरकारें उसकी छाया में ही महफूज रहती हैं। ऐसे में रक्षा बलों के प्रमुख का नया पद बनाकर सरकार ने यह संकेत दे दिया है कि सैन्य तंत्र को अब संवैधानिक रूप से भी सर्वोपरि दर्जा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की सलाह पर यह नियुक्ति होगी, परंतु यह सलाह वस्तुतः औपचारिक्ता वाली रह जाएगी। सेना अब न केवल रक्षा नीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का भी निर्णायक चेहरा बनने की ओर अग्रसर है। दिलचस्प बात यह है, कि यह फैसला उस समय आया है जबकि पाकिस्तान की सेना अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर लगातार नाकाम साबित हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में एफ-16 समेत कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के ध्वस्त होने के बाद पाकिस्तान को युद्धविराम की गुहार लगानी पड़ी थी। इस पराजय के तुरंत बाद असीम मुनीर को फील्ड मार्शल का तमगा देकर पुरस्कृत किया गया और अब उन्हें तीनों सेनाओं का सर्वोच्च प्रमुख बनाए जाने की तैयारी है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पराजय को ढंकने के लिए सम्मान और पदोन्नति का यह खेल खेला जा रहा है? खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले की एक ताजा घटना ने पाक सेना की अक्षमता को और भी बेहतर ढंग से उजागर करने का काम किया है। दरअसल खबर है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाकों ने सेना की एक चौकी पर कब्जा कर सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। चौकी पर तालिबानी झंडा फहराया गया और पाकिस्तानी सेना के जवानों के हथियारों को कब्जे में ले लिया गया। यह वही इलाका है जहां कभी पाकिस्तानी सेना आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाने और अनेक लड़ाकों को मारने जैसे दावे करती थी। अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि तालिबानी संगठन खुलेआम अपनी चेकपोस्टें बना रहे हैं और स्थानीय इलाकों पर नियंत्रण कायम कर रहे हैं। पेशावर और बन्नू जैसे इलाकों में सरकार और सेना का प्रभाव घटता जा रहा है। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है, कि जब पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर उसकी सेना अपना नियंत्रण खोती जा रही है, तब वही सेना देश के भीतर सत्ता की बागडोर और मजबूत पकड़ बनाने में व्यस्त है। इससे साफ झलकता है कि पाकिस्तानी नेतृत्व की प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षण है। मुनीर को दिया जा रहा यह सुपर-सीओएस पद राजनीतिक व्यवस्था पर सेना के स्थायी कब्जे की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। उधर, आतंकवाद का पुराना चेहरा हाफिज सईद और उसके संगठन लश्कर-ए-तैय्यबा की पड़ोसी देशों में बढ़ती गतिविधियां एक बार फिर चिंता का सबब बनी हैं। एक वायरल वीडियो में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह सैफ यह दावा करता नजर आया कि हाफिज सईद बांग्लादेश के रास्ते भारत पर हमले की योजना बना रहा है। इस दावे में सच्चाई चाहे जितनी भी हो, परन्तु यह साफ संकेत है कि पाकिस्तान की भूमि एक बार फिर आतंकवादी लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल होने के लिए तैयार है। इससे दो बातें स्पष्ट होती हैं पहली, पाकिस्तानी शासन आतंकी ढांचों पर प्रभावी नियंत्रण खो चुका है और दूसरी, वह आतंकी समूहों को अपने रणनीतिक उपकरण की तरह अब भी इस्तेमाल करने से बाज नहीं आ रहा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह स्थिति पाकिस्तान के लिए घातक साबित हो सकती है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बढ़ती बेरोजगारी और डॉलर की कमी से पाकिस्तान सरकार आईएमएफ की शर्तों को मानने पर बाध्य है, वहीं दूसरी ओर आतंकवाद के पुनरुत्थान और सैन्य वर्चस्व ने उसकी विश्वसनीयता को दुनियां के अधिकांश देशों के सामने और गिरा दिया है। इस पृष्ठभूमि में मुनीर को नया पद देकर शक्ति सौंपना लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में एक और कदम है। पाकिस्तान की इस स्थिति को देखते हुए भारत को सीमा पर और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। क्योंकि पाकिस्तान का हाल इन दिनों कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है, कि हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। यह अलग बात है कि इस मामले में भी पाकिस्तान को मुंह की ही खानी पड़ेगी, क्योंकि पाकिस्तान की सेना आज भी दो मोर्चों पर पिट रही है, एक ओर आतंकी संगठनों से, दूसरी ओर अपनी ही असफल नीतियों से। बावजूद इसके, मुनीर को यूं तमगों से नवाजा जाना, पाकिस्तानी आवाम के गले से भी नीचे नहीं उतर रहा है। आम जनता भी यही कह रही है कि जब हर मोर्चे पर सेना हार रही है तो फिर ये तमगे क्योंकर और कैसे?

दो टूक : रेल सुरक्षा: सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

योगेश कुमार गोयल

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है', और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से 'कवच' सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को 'विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था' कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनि त कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां 'हादसे के बाद कार्रवाई' ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनि त करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजे गए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

स्थानीय थाना पुलिस ने शनिवार को चोरी के मामले में दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, मुण्डावरा निवासी मुकेश सैनी सीमेंट के पीलर बनाने का कार्य करता है, लेकिन जुलाई माह में बरसात के कारण उसका प्लांट बंद था। इसी दौरान मौका पाकर दो युवकों ने वहां से पीलर निर्माण में उपयोग होने वाली 33 लोहे की प्लेटें चोरी कर लीं। घटना का खुलासा तब हुआ जब जुलाई 2025 में मुकेश सैनी के बड़े भाई बजरंग सैनी ने थाने में दोनों संदिग्ध युवकों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और चोरी की वारदात से संबंधित साक्ष्य जुटाने में जुट गई। जांच के दौरान पुलिस को तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों का पता चला। इसके बाद शनिवार को पुलिस ने मुण्डावरा निवासी कैलाश (27) पुत्र मातादीन रैगर और सूरज (28) पुत्र जगदीश प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को थाने लाकर पूछताछ की गई, जिसमें प्रारंभिक रूप से चोरी में उनकी संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस अब आरोपियों से चोरी गई 33 लोहे की प्लेटों की बरामदगी और किसी अन्य साथी की संलिप्तता की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी की गई सामग्री की कीमत हजारों रुपए में है और बरामदगी के बाद आरोपियों के खिलाफ मामले को अंतिम रूप दिया जाएगा।

ग्राम पनियाला में आगजनी से किसानों का भारी नुकसान

अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग, दो दमकलों ने पाया काबू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

निकटवर्ती ग्राम पनियाला में रविवार को अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग ने कई किसानों की मेहनत को राख में बदल दिया। आगजनी की इस घटना में हजारों मण कड़बी जलकर स्वाहा हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, दोपहर के समय खेतों के पास अचानक धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी तेजी से फैलीं कि ग्रामीणों को अपनी कड़बी और अन्य सामान बचाने का मौका तक नहीं मिला। सूचना मिलते ही केशवाना रीको क्षेत्र और कोटपूतली से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों और ग्रामीणों ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक वीरसिंह, दयाराम, गोकुल चंद, मुकेश, जगमाल, कृष्ण और सांवतराम सहित कई किसानों की करीब एक हजार मण कड़बी जलकर नष्ट हो चुकी थी। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के खेतों और बिजली के तारों तक को नुकसान पहुंचा। ग्रामीणों ने बताया कि अगर दमकल समय पर नहीं पहुंचती, तो पूरा क्षेत्र आग की चपेट में आ सकता था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन माना जा रहा है कि सूखी कड़बी और तेज हवाओं की वजह से आग तेजी से फैल गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे करवाकर मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं हर साल सामने आती हैं, इसलिए फसल कटाई के बाद खेतों में आगजनी रोकने के लिए प्रशासन को पुख्ता व्यवस्था करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला आज, 35 से अधिक कंपनियां देगी रोजगार के अवसर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे के बड़ाबास स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में सोमवार 10 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला एवं जिला स्तरीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन होगा। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग की ओर से आयोजित इस मेले में 35 से अधिक निजी कंपनियां भाग लेंगी, जो 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक और बीटेक योग्यता रखने वाले युवाओं को रोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करेंगी। सहायक निदेशक कुंतल कुमार सैनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह होंगे, जबकि अध्यक्षता विधायक हंसराज पटेल करेंगे। मेले में कोटपूतली, नीमराणा, बहरोड़, भिवाड़ी, बावल, अलवर और नोएडा क्षेत्र के इच्छुक युवा भाग ले सकेंगे।

मतदाता सूची शुद्धिकरण को लेकर भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

कस्बे के एक निजी स्कूल में रविवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) एवं मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान को लेकर भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मतदाता सूची के शुद्धिकरण, नए मतदाताओं के पंजीकरण तथा छूटे हुए नाम जोड़ने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक देवीसिंह शेखावत ने की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की रीढ़ है और हर पात्र नागरिक का नाम इसमें होना जरूरी है। शेखावत ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें तथा जिनके नाम गलत या दोहराए गए हैं, उन्हें सही करवाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है ताकि आगामी चुनावों में निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर भाजपा जिला उत्तर अध्यक्ष महासिंह चौधरी, जिला पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम से पूर्व विधायक एवं जिला अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। बैठक में भाजपा नेता डॉ. शशिकांत बोहरा, जिला उपाध्यक्ष सज्जन मिश्रा, जिला प्रवक्ता नरेंद्र चौधरी, जयप्रकाश शर्मा, हेमलता सिसोदिया, करण ओला, जगदीश, मंगलराम सैनी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक ने पुलिस को दिए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

गांव बिलाली स्थित शीतला माता मंदिर में हुई चोरी की घटना को लेकर रविवार को विधायक देवीसिंह शेखावत मंदिर पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बासदयाल थाना प्रभारी प्रदीप सिंह को शीघ्र कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। दो दिन बीतने के बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है, जिससे श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में रोष है। विधायक के साथ सरपंच प्रतिनिधि हंसराज दोराता, ओमप्रकाश गुर्जर, मुकेश गुर्जर, हेमराज गुर्जर, रामेश्वर प्रजापत, लीलाराम सैनी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

गलत लेन में चलने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, डीएसपी ने ट्रांसपोर्टर्स को दिए निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

सड़क सुरक्षा को लेकर बहरोड़ पुलिस सक्रिय हो गई है। रविवार को पुलिस थाने में डीएसपी सचिन शर्मा ने ट्रांसपोर्टर्स के साथ बैठक कर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। डीएसपी शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 4 नवंबर से 18 दिसंबर तक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सभी विभागों को सख्ती से नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने ट्रांसपोर्टर्स से अपील की कि वे लेन ड्राइव सिस्टम का पालन करें और अपने चालकों को वाहन चलाते समय शराब या किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। डीएसपी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि हाईवे-48 पर गलत लेन में वाहन चलाने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हाईवे किनारे वाहनों की पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित है, और नियम तोड़ने वालों के वाहन जब्त किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वाहन नंबर प्लेट पर ग्रीस या कवर लगाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि अस्पष्ट नंबर प्लेट से दुर्घटनाओं के मामलों में पहचान में दिक्कत आती है। डीएसपी शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं बल्कि सभी वाहन चालकों और मालिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। नियमों का पालन करने से जहां दुर्घटनाओं में कमी आएगी, वहीं यातायात भी सुचारू रूप से संचालित होगा। उन्होंने सभी ट्रांसपोर्टर्स से आग्रह किया कि वे अपने स्तर पर भी जागरूकता फैलाएं ताकि क्षेत्र में सड़क हादसों को रोका जा सके। बैठक में सब इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सैनी, हेड कॉन्स्टेबल अमर सिंह मीणा, ट्रक यूनियन अध्यक्ष प्रद्युम्न यादव, नागेंद्र यादव, गिल्लू गुर्जर, राकेश शर्मा, नरेश गुप्ता, नमन यादव, मोहित गोयल, अमर सिंह यादव, पृथ्वी शर्मा सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी, यूनियन सदस्य और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। यह बैठक क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है, जिससे आने वाले दिनों में दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद जताई जा रही है।

भारी ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के मकानों में दरारें, जन-जीवन पर संकट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

निकटवर्ती ग्राम कुजोता में अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी द्वारा की जा रही भारी ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल है और कई लोग सुरक्षा के लिए अपने घरों से बाहर रहने को मजबूर हैं। मकानों के गिरने और संभावित जनहानि का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ब्लास्टिंग के समय धरती हिलने लगती है, जिससे दीवारों में दरारें और छतों में झटके महसूस होते हैं। कई मकानों की दीवारें पहले ही झड़ने लगी हैं। ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि यदि इस पर जल्द रोक नहीं लगी, तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। ग्रामवासी हंसराज योगी ने बताया कि ग्रामीण इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को अवगत करवा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा लगातार की जा रही ब्लास्टिंग ने पूरे गांव की नींव हिला दी है, जिससे लोग दिन-रात भय में जी रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है ताकि ब्लास्टिंग पर रोक लगाई जा सके और मकानों के सर्वे करवाकर क्षतिपूर्ति दिलाई जा सके। वहीं, सर्दी के मौसम में खुले आसमान के नीचे बैठे ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अब धैर्य की सीमा पार हो चुकी है, और यदि

समाधान नहीं मिला तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बहरोड़ में महिला की संदिग्ध मौत पर पुलिस ने रुकवाया अंतिम संस्कार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

क्षेत्र के बर्डोद गांव में रविवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए उसका अंतिम संस्कार रुकवा दिया। यह कार्रवाई महिला के पीहर पक्ष की सूचना पर की गई, जिन्होंने उसकी मौत को संदिग्ध बताया। सदर थाना अधिकारी सुबेसिंह यादव ने बताया कि मृतका मुनेश देवी (35) पत्नी जगराम कुमावत, बानसूर के मोरोड़ी गांव की निवासी थी और उसका ससुराल बर्डोद गांव की गोकुलपुर की ढाणी में है। शनिवार को उसकी अचानक मौत हो गई थी। परिजनों ने इसे सामान्य मौत बताकर अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी थी, लेकिन रविवार को पीहर पक्ष की ओर से सूचना दी गई कि महिला की मौत संदिग्ध है। पुलिस ने सूचना पर मौके पर पहुंचकर अंतिम संस्कार रुकवाया और शव को कब्जे में लेकर बहरोड़ के जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में भिजवाया। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया। पोस्टमॉर्टम के दौरान मृतका के पीहर और ससुराल पक्ष दोनों मौजूद रहे। थाना अधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शनिवार को जब महिला के दोनों बच्चे स्कूल से लौटे, तो उन्होंने अपनी मां को कमरे में अचेत अवस्था में पाया। उस समय उसका पति कोटपूतली गया हुआ था। परिजन महिला को तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रविवार को जब अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, तभी किसी ने महिला के गले पर निशान देखे। इसी आधार पर उसकी मौत को संदिग्ध मानते हुए पुलिस को सूचना दी गई। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव को पीहर पक्ष की मौजूदगी में ससुराल पक्ष को सौंप दिया है। पुलिस ने पीहर पक्ष की रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज कर लिया है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य से बढ़ी परेशानीः सड़कों की मरम्मत और पानी सप्लाई में देरी से लोग परेशान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कठूमर

उपखंड मुख्यालय कठूमर में जल जीवन मिशन के तहत शुरू की गई पाइपलाइन योजना अधूरी पड़ी है। पाइपलाइन बिछाने का कार्य तो पिछले वर्ष ही पूरा हो गया था, लेकिन सड़कों की मरम्मत और नियमित पानी की सप्लाई अब तक शुरू नहीं हो पाई है। नगरपालिका बनने के बाद प्रस्तावों में जटिलता आने से कार्य रुक गया है, जिससे कस्बे के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत लगभग तीन करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से अप्रैल 2024 में कार्य सम्पन्न हुआ था। इस योजना के तहत करीब 250 घरों को जल कनेक्शन दिए जाने और पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों को खोदा गया था, लेकिन काम पूरा होने के बावजूद सड़कों की मरम्मत नहीं की गई। इसके चलते कस्बे की कई गलियां उबड़-खाबड़ हो गई हैं, जिनसे लोगों को आवागमन में कठिनाई हो रही है। रहवासियों का कहना है कि बरसात के मौसम में इन सड़कों पर जलभराव और कीचड़ की समस्या बनी रहती है। कई वार्डों में स्थिति इतनी खराब है कि लोगों को घर से बाहर निकलने में भी परेशानी होती है। नागरिकों ने जलदाय विभाग और नगरपालिका से जल्द कार्रवाई की मांग की है। इधर, विभागीय सूत्रों के अनुसार शेष कनेक्शन और सड़कों की मरम्मत के लिए जलदाय विभाग ने 53 लाख रुपए का रिवाइज इस्टीमेट तैयार कर भेजा था। लेकिन इस बीच कठूमर को ग्राम पंचायत से नगरपालिका में अपग्रेड कर दिया गया, जिससे प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया। अब, कठूमर के साथ-साथ सामोली, रेला और मानखेड़ा गांवों को भी नगरपालिका क्षेत्र में शामिल कर लिया गया है, जिसके चलते नए प्रस्तावों में इन गांवों को भी जोड़ा जाएगा। इससे प्रक्रिया और भी लंबी हो गई है। फिलहाल नगरपालिका की ओर से कुछ मुख्य सड़कों की मरम्मत की गई है, जिससे कुछ मोहल्लों में राहत मिली है, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोग उम्मीद कर रहे हैं कि विभाग जल्द ही समस्या का स्थायी समाधान निकालेगा, ताकि जल जीवन मिशन का लाभ वास्तव में आम नागरिकों तक पहुंच सके।

अवैध मादक पदार्थ बरामदः पिकअप व चालक गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिलाधिकारी थाना प्रागपुरा की पुलिस ने जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान एक पिकअप वाहन को जप्त कर 113 किलो 44 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद की। अभियुक्त वाहन में विद्युत ट्रांसफार्मर की आड़ में प्लास्टिक कट्टों में मादक पदार्थ छिपा हुआ मिला। दो आरोपियों सुखबीर सिंह व गुरजन्ट सिंह को गिरफ्तार कर उनसे गहनता से अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। प्रागपुरा थाना पुलिस ने जानकारी दी कि जयपुर रेंज के निर्देशों पर एएसपी वैभव शर्मा, कार्यवाहक विराटनगर डीएसपी राजेन्द्र बुरड़क के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने एनएच-48 पर नाकाबंदी कर जयपुर से दिल्ली जा रहे वाहनों की चेकिंग की। टीम ने पिकअप न0 एचआर 47 सी 7756 रोककर तलाशी ली। पिकअप के पीछे दो बिजली के ट्रांसफार्मर रखे मिले जिनकी बारीकी से जांच करने पर ट्रांसफार्मरों के बीच प्लास्टिक के कट्टों में छिपा हुआ पदार्थ दिखा। कट्टों की तलाशी में उनमें छिलकानुमा पदार्थ निकला, जिसे खोलकर देखा गया तो उसमें अवैध डोडा पोस्त भरा हुआ था। इस पर चालक व खलासी से पूछताछ की गयी, पर वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। मौके पर ही उक्त मादक पदार्थ व वाहन को जप्त कर दोनों आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुखबीर सिंह (32) पुत्र रामसिंह, निवासी कमालके, थाना धर्मकोट, जिला मोगा (पंजाब) व गुरजन्ट सिंह (32) पुत्र गुरुचरण, निवासी पण्डुरी अराया, थाना धर्मकोट, जिला मोगा (पंजाब) के रूप में हुई। दोनों से अवैध डोडा चुरा के संबंध में गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है। दूरगामी जाँच में पुलिस ने बताया कि पिकअप के दस्तावेजों व आरोपियों के बयान लिए जा रहे हैं तथा आपत्तिजनक मोबाइल कॉल रिकॉर्ड व अन्य संपर्कों की पड़ताल की जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने कहा कि

जयपुर रेंज द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत ऐसी कार्यवाही जारी रहेगी और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले की प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वाहन या गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी थाना या हेल्पलाइन पर दें ताकि ऐसे घिनौने तस्करी नेटवर्क को समय रहते पकड़ा जा सके।

बंदरों के बढ़ते आतंक से आमजन परेशान, कार्रवाई की मांग तेज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

कस्बे और आसपास के इलाकों में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। झुंड के झुंड बंदर घरों की छतों, गलियों और बाजारों में दिनभर घूमते नजर आते हैं। उनके डर से लोग असहज महसूस करते हैं और कई बार तो घरों के दरवाजे-खिड़कियां भी बंद रखनी पड़ती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बंदर न केवल घरों की छतों पर रखे कपड़े, खाने-पीने की चीजें और सामान उठा ले जाते हैं, बल्कि कई बार लोगों पर हमला भी कर देते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को इनके हमलों का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ता है। कई बार बंदरों के हमले में लोगों को चोटें भी लगी हैं, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। कस्बे के मुख्य बाजार, स्कूलों और आवासीय क्षेत्रों में बंदरों की बढ़ती संख्या ने परेशानी और बढ़ा दी है। महिलाओं ने बताया कि बंदरों के डर से घर के आंगन में कपड़े सुखाना भी मुश्किल हो गया है। बच्चे स्कूल आने-जाने से डरते हैं और अक्सर अभिभावक उन्हें लेने या छोड़ने साथ जाते हैं। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका और वन विभाग से शीघ्र समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर बंदरों को आबादी क्षेत्र से हटाकर सुरक्षित स्थान पर नहीं ले जाया गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने सुझाव दिया कि प्रशासन को विशेष अभियान चलाकर बंदरों को वन क्षेत्र में छोड़ा जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। फिलहाल पूरे क्षेत्र में बंदरों का आतंक आमजन के लिए बड़ी समस्या बन चुका है।

सड़कों पर अतिक्रमण, बाजार से हाईवे तक जाम के हालात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

शहर की मुख्य सड़कें इन दिनों अतिक्रमण की चपेट में हैं। बाजार से लेकर स्टेट हाईवे तक ठेले, खोमचे और दुकानों के बाहर रखा गया सामान यातायात में भारी बाधा बन रहा है। लंबे समय से जिम्मेदार विभागों की अनदेखी के कारण स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि अब पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। पुराने बस स्टैंड से लेकर तसिंग मोड़ तक ठेलेवालों और अस्थाई दुकानों का कब्जा इस कदर बढ़ गया है कि सड़क का आधा हिस्सा इनके कब्जे में आ चुका है। इसी क्षेत्र में पुलिस थाना, उपखंड कार्यालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय सहित कई सरकारी संस्थान और नर्सिंग होम स्थित हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक यहां जाम की स्थिति बनी रहती है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी होना और कार्यालयों में समय पर नहीं पहुंच पाना आम बात बन गई है। नगरपरिषद की ओर से कुछ समय पहले अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया था। उस दौरान सड़क किनारे रखे गए सामान को जब्त भी किया गया, लेकिन कुछ ही दिनों में दोबारा अतिक्रमण फैल गया। दुकानदारों ने फिर से सड़क किनारे अपना सामान सजाना शुरू कर दिया है। लोहे के पाइप, प्लास्टिक की टंकियां, कैनोपी स्टॉल और अन्य भारी सामान खुलेआम दुकानों के आगे रखे नजर आते हैं। पार्किंग की व्यवस्था न होने से लोग सड़क किनारे ही वाहन खड़े कर खरीदारी करने चले जाते हैं, जिससे जाम की समस्या और बढ़ जाती है। बाजार के अलावा हाईवे किनारे भी अवैध पार्किंग से ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण की वजह से हर दिन ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है। कई बार पुलिस और नगरपरिषद को शिकायत दी गई, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। दुकानदारों के अतिक्रमण के कारण अब शहर की आधी सड़कें ठेलों और अस्थाई दुकानों के कब्जे में हैं। शाम को दुकानें बंद होने के बाद ही सड़कों की असली चौड़ाई नजर आती है। नगरपरिषद आयुक्त नूर मोहम्मद खान ने बताया कि "हाल ही में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया था और सड़क किनारे रखा गया सामान जब्त भी किया गया था। लेकिन अब दोबारा अतिक्रमण बढ़ गया है। जल्द ही पुनः अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।"

रजिस्ट्री से इनकार, दी जान से मारने की धमकी

धोखाधड़ी के मामले में चार आरोपितों पर मुकदमा दर्ज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा शाहजहांपुर

केसीसी लोन बकाया जमीन को बेचने के मामले में फौलादपुर निवासी एक व्यक्ति और उसके तीन पुत्रों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने आरोपियों पर रजिस्ट्री से इनकार करने और खरीदार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। थानाधिकारी मनोहरलाल मीणा ने बताया कि शाहजहांपुर निवासी डॉ. अल्का धरेन्द्र ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि फौलादपुर निवासी जयप्रकाश पुत्र हजारीलाल व उसके तीन पुत्र रणसिंह, विक्रम और सुनील ने 4 नवम्बर 2015 तथा 19 अगस्त 2021 को लिखित एग्रीमेंट के माध्यम से 133.33 वर्ग गज का प्लॉट 10 लाख 64 हजार रुपए में उन्हें बेचा था। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों ने एग्रीमेंट के बाद रजिस्ट्री कराने में लगातार टालमटोल की। जब अल्का ने जमीन का रेकॉर्ड जांचा तो सामने आया कि उक्त भूमि पर पंजाब नेशनल बैंक का केसीसी लोन बकाया है। खरीदार ने खुद लोन चुकाने की कोशिश की और रजिस्ट्री कराने का प्रयास भी किया, लेकिन आरोपियों ने न केवल रजिस्ट्री से इनकार कर दिया बल्कि धमकी दी कि यदि उन्होंने दबाव बनाया तो उन्हें जान से मार देंगे। घटना की जानकारी मिलने पर शाहजहांपुर थाने में रविवार को मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकी और समझौते के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने इस जमीन पर पहले से ही ऋण लिया हुआ था और उसे बेचने के बाद भी बकाया राशि का निपटारा नहीं किया गया। पुलिस अब एग्रीमेंट और बैंक रेकॉर्ड की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में दस्तावेजों के माध्यम से बिक्री का तथ्य सही पाया गया है। थाना प्रभारी का कहना है कि सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया जा रहा है और मामले में पूछताछ की जाएगी। वहीं, पीड़िता ने न्याय की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि वह पिछले कई वर्षों से अपनी जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए प्रयासरत है, लेकिन आरोपी लगातार धमकी देकर उसे रोकते आ रहे हैं।

आखिरकार ट्रॉफी को छूने का मौका मिला: सीरीज जीत के बाद सूर्यकुमार का एशिया कप विवाद पर मजेदार तंज

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ब्रिस्बेन में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां टी20 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, लेकिन भारतीय टीम ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच के बाद जब कप्तान सूर्यकुमार यादव को ट्रॉफी सौंपी गई, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, आखिरकार ट्रॉफी को हाथ में लेने का एहसास बहुत अच्छा लग रहा है।

उनकी इस टिप्पणी को सुनकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई, क्योंकि यह बात एशिया कप 2025 विवाद से जोड़कर देखी जा रही है।

सितंबर में खेले गए एशिया कप टी20 फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। इसकी वजह थी नकवी का भारत-विरोधी रवैया। परिणामस्वरूप, भारत ने ट्रॉफी अपने हाथों में नहीं ली और अब तक विजेता ट्रॉफी भारत को औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीत के बाद सूर्या ने न सिर्फ टीम की सराहना की बल्कि एक हल्के-फुल्के अंदाज में पिछले विवाद पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा, 'महिलाओं की वर्ल्ड कप ट्रॉफी हाल ही में भारत लौटी है, और अब हमारी टीम को भी ट्रॉफी थामने का मौका मिला है। वाकई अच्छा लग रहा है।'

उनकी इस बात पर टीम के साथी खिलाड़ी और फैंस दोनों मुस्कराए। सोशल मीडिया पर भी यह बयान तेजी से वायरल हो गया।

दुबई में आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी के बीच अनौपचारिक बैठक हुई। सैकिया ने बताया, 'यह बातचीत सकारात्मक रही। दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल में मिले और उम्मीद है कि ट्रॉफी विवाद का समाधान जल्द निकल जाएगा।' सूत्रों के मुताबिक आने वाले समय में यह मुद्दा सुलझने की पूरी संभावना है।

सूर्यकुमार ने टीम के प्रदर्शन की भी तारीफ की और कहा कि युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, 'हर कोई अपनी

भूमिका समझता है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और आने वाले टूर्नामेंट में हम यही जोश बनाए रखना चाहते हैं।'

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड: फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने रचा इतिहास, 1 घंटे में लगाए इतने पुश-अप्स !

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 'पुश-अप मैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर फिट इंडिया एंबेसडर रोहताश चौधरी ने एक नया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर भारत की फिटनेस स्पिरिट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

रोहताश ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में '60 पाउंड वजन के साथ एक घंटे में सबसे ज्यादा पुश-अप्स' करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने एक घंटे में 847 पुश-अप्स पूरे किए, जिससे उन्होंने सीरिया के 820 पुश-अप्स के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

गिनीज़ की आधिकारिक टीम ने मौके पर ही इस रिकॉर्ड की पुष्टि की। यह उपलब्धि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित कार्यक्रम में हासिल की गई, जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल है।

कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर रोहताश को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 'रोहताश चौधरी फिट इंडिया भावना के सच्चे प्रतीक हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं।'

रोहताश ने अपनी सफलता को भारतीय सेना और 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित करते हुए कहा, ''पिछले साल मैंने एक पैर पर 704 पुश-अप्स का रिकॉर्ड बनाया था, जो प्रधानमंत्री को समर्पित किया। आज का रिकॉर्ड मैं हमारे सैनिकों और राष्ट्र की एकता को समर्पित करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट ने 'संडे ऑन साइकिल' जैसे अभियानों के ज़रिए देशभर में फिटनेस को एक सामाजिक आंदोलन बना दिया है। इस मौके पर हजारों स्कूली बच्चे, फिटनेस प्रेमी और फिट इंडिया एंबेसडर स्टेडियम में मौजूद रहे और रोहताश के इस अद्भुत प्रदर्शन का गवाह बने।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

–आईसीसी बैठक में बीसीसीआई सचिव सैकिया के सख्त रुख का असर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके।

भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

बुमराह से भी ज्यादा कीमती हैं भारत का ये मिस्ट्री स्पिनर: पूर्व सीएसके स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज में 2-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की और इस जीत के असली हीरो रहे मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती। पांच मैचों की इस सीरीज में वरुण ने पांच विकेट झटके और अपनी सटीक गेंदबाज़ी से कंगारू बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुब्रहमण्यम बद्रीनाथ ने वरुण की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि वह इस वक्त भारत के 'सबसे कीमती' खिलाड़ी हैं – यहां तक कि जसप्रीत बुमराह से भी अधिक। बद्रीनाथ ने कहा, 'नंबर बताते हैं कि वरुण चक्रवर्ती इस समय दुनिया के नंबर-1 टी20 गेंदबाज हैं।

जब रन तेजी से बन रहे हों, चाहे वो पावरप्ले हो या डेथ ओवर्स, वरुण वो गेंदबाज़ हैं जिन पर कप्तान भरोसा करता है। उन्होंने अपने खेल में गजब का सुधार किया है और अब वो पूरी तरह से मैच-विनर बन चुके हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि वरुण की वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है, पहले फिटनेस की वजह से टीम से बाहर होना और अब दमदार कमबैक करना। 'ये उनका दूसरा फेज है और उन्होंने इसे एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। वो सिर्फ टीम इंडिया की संपत्ति नहीं बल्कि एक 'हथियार' हैं। आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की सफलता काफी हद तक इस स्पिनर के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।' सीरीज के दौरान वरुण का इकॉनमी रेट 6.83 और औसत 16.40 रहा, जबकि बुमराह ने पांच मैचों में केवल तीन विकेट झटके। वरुण फिलहाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज हैं।

भारत ए / साउथ अफ्रीका ए : टीम इंडिया की बढ़ी चिंता, स्टार तेज गेंदबाज ने चोटिल होकर मैदान छोड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। स्टार तेज गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज रविवार को साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन हाथ में चोट लगने के बाद मैदान छोड़कर बाहर चले गए। सिराज फील्डिंग के दौरान अपने दाएं हाथ पर चोट लगा बैठे, जिसके बाद उन्हें दर्द में डगआउट लौटना पड़ा। टीम इंडिया 'ए' के लिए यह सीरीज़ साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। सिराज की यह चोट चिंताजनक है क्योंकि भारत का मुख्य दौरा अब से एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होने वाला है। जानकारी के मुताबिक, चोट सिराज के बॉलिंग हैंड पर लगी है और टीम फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। फिलहाल बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है, लेकिन अगर सिराज फिट नहीं होते हैं, तो आकाश दीप को उनका रिप्लेसमेंट माना जा रहा है। सिराज भारत के लिए जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरे प्रमुख तेज गेंदबाज़ हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल की जोड़ी भी चर्चा में है। जुरेल ने इस सीरीज़ में दो शतक लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है, और संभावना है कि वे पहले टेस्ट में पंत के साथ प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनें।

इरफान पठान की चेतावनी : टी20 के शीर्ष खिलाड़ी को हर गेंद पर आक्रामक न खेलने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को उनकी 'ट्रेडमार्क शॉट' रणनीति पर सावधानी बरतने की सलाह दी है। पठान का मानना है कि अगर अभिषेक हर गेंद पर क्रीज से बाहर निकलकर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश जारी रखते हैं, तो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीमें उनकी रणनीति को भांप सकती हैं। अभिषेक शर्मा इस समय भारत की टी20 टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में सर्वाधिक रन बनाकर भारत को खिताबी जीत दिलाई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी 163 रन बनाते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता। इरफान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अभिषेक शानदार बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्हें समझदारी दिखानी होगी। वर्ल्ड कप में टीमें पहले से तैयार रहेंगी। हर गेंद पर क्रीज छोड़कर शॉट खेलने का मतलब नहीं बनता, उन्हें चुनिंदा गेंदों पर अटैक करना चाहिए।' पठान ने यह भी बताया कि ब्रिसबेन में हुए आखिरी टी20 में अभिषेक नाथन एलिस और बेन ड्वार्शुइस की गेंदों पर संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इस पर अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह से बात करेंगे।

धोनी फैंस के लिए खुशखबरी : 2026 में भी खेलेंगे 'कैप्टन कूल', चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ ने की पुष्टि,

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन ने साफ तौर पर कहा है कि टीम को पूरा भरोसा है कि महेंद्र सिंह धोनी अगले सीजन यानी आईपीएल 2026 में भी मैदान पर उतरेंगे। लंबे समय से चल रही धोनी के संन्यास की अटकलों पर अब विराम लग गया है। विश्वनाथन ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, 'यह सही है, एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब फैंस लगातार यह सवाल पूछ रहे थे कि क्या धोनी 2025 सीजन के बाद आईपीएल से विदाई लेंगे। फ्रेंचाइजी के सीईओ ने पहले भी एक युवा प्रशंसक से बातचीत में इसी बात की पुष्टि की थी। 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना से जुड़े काशी विश्वनाथन, सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से हैं। उन्होंने कहा कि धोनी न केवल टीम के लिए बल्कि पूरी फ्रेंचाइजी की आत्मा बन चुके हैं। गौरतलब है कि धोनी (44) का आईपीएल में भविष्य पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में बना हुआ है, लेकिन अब 2026 तक उनके खेलने की संभावना लगभग तय हो गई है। पिछले सीजन में सीएसके का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था और टीम निचले पायदान पर रही थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में धोनी ने खुद टीम की कमान संभाली थी। क्रिकेट जगत में माना जा रहा है कि वह अपनी शानदार कप्तानी और प्रदर्शन के साथ एक यादगार सीजन के बाद संन्यास लेना चाहेंगे। धोनी ने अब तक 248 मैचों में सीएसके के लिए 4,865 रन बनाए हैं और टीम को पांच बार आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021 और 2023) जिताया है। अगर वह अगले सीजन में खेलते हैं, तो यह उनके लिए सीएसके का 17वां और आईपीएल करियर का 19वां सीजन होगा। धोनी की वापसी की इस खबर ने फैंस में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है।

रणजी ट्रॉफी: 8 छक्के और सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक, मेघालय के इस बल्लेबाज ने तोड़ा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ महज 11 गेंदों में अर्धशतक जमाकर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज़ पचासा लगाने का नया रिकॉर्ड बना दिया। इस दौरान उन्होंने 8 गगनचुंबी छक्के जड़े और अपनी पारी से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

यह रिकॉर्ड तोड़ पारी दूसरे दिन खेली गई, जब मेघालय की टीम पहले से ही मजबूत स्थिति में थी। राहुल दलाल (144 रन) के आउट होने के बाद आकाश बल्लेबाजी करने उतरे और आते ही गेंदबाजों पर टूट पड़े। उन्होंने स्वस्तिक चेतरी के साथ मिलकर 52 रन की साझेदारी की और टीम का स्कोर 628/6 तक पहुंचा दिया, जिसके बाद मेघालय ने पारी घोषित कर दी। आकाश की स्ट्राइक रेट 300 से भी ज्यादा रही। उन्होंने अरुणाचल के थके हुए गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया और दर्शकों को टी20 जैसी बल्लेबाजी का मज़ा दिया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड 2012 में इंग्लैंड के वेन व्हाइट के नाम था, जिन्होंने 12 गेंदों में पचासा जड़ा था। लेकिन अब आकाश कुमार ने उसे पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रचा है।

25 वर्षीय आकाश ने अब तक 30 फर्स्ट क्लास मैचों में 503 रन बनाए हैं और 87 विकेट भी चटकाए हैं। गेंदबाजी में ज्यादा प्रभावी माने जाने वाले आकाश ने इस सीज़न में बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है।

एथेंस ओपन : नोवाक जोकोविच ने जीता करियर का 101वां खिताब

एथेंस। सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में आयोजित हेलैनिक चैम्पियनशिप का खिताब जीतकर अपने करियर का 101वां टाइटल अपने नाम किया। 38 वर्षीय जोकोविच ने रोमांचक फाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेटी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। तीन घंटे चले इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार जुझारूपन दिखाया। निर्णायक सेट में ही पांच बार सर्विस ब्रेक हुए और 13 ब्रेक पॉइंट बने। इस जीत के साथ जोकोविच ने हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें खिताब के साथ रोजर फेडरर को पछाड़ते हुए ओपन एरा में सबसे ज्यादा हार्ड कोर्ट खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'यह जीत ग्रीस के शानदार लोगों को समर्पित है। आपने हमेशा मेरा समर्थन किया और मुझे घर जैसा महसूस कराया।' हालांकि, फाइनल के तुरंत बाद चोट के चलते जोकोविच ने ATP फाइनल्स से नाम वापस ले लिया। उनकी जगह अब लोरेंजो मुसेटी ट्यूरिन में सीज़न फिनाले में खेलेंगे, जो उनके करियर का पहला ATPफाइनल्स होगा। जोकोविच ने बयान जारी कर कहा, 'मैं ट्यूरिन में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित था, लेकिन चोट के कारण अब मुझे हटना पड़ रहा है। सभी फैंस का धन्यवाद, मैं जल्द कोर्ट पर वापसी करूंगा।'

मार्क वुड बोले - ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है।

वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है।' लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा।' पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, और वुड इस मैदान पर खेलने को लेकर खासे उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ÷पर्थ का विकेट तेज और उछाल भरा है, और मैं इस पिच पर गेंदबाजी करने के लिए बेहद उत्सुक हूं। 2022 टी20 विश्व कप के दौरान मैंने यहां गेंदबाजी की थी और अनुभव शानदार रहा था।'

हालांकि इंग्लैंड को इस बार ज्यादा अभ्यास मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वुड इससे चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जैसा कार्यक्रम है, उससे मैं खुश हूं। भारत के खिलाफ पिछली सीरीज से पहले भी हमने ज्यादा अभ्यास नहीं किया था, फिर भी पहला टेस्ट जीतने में सफल रहे थे।

अब घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध घरेलू मैदान पर टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। दोनो ही टीमों के बीच 14 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज कोलकाता में शुरु होगी। वहीं दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। इसका पहला मैच रांची में 30 नवंबर जबकि दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में वहीं अंतिम एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

दोनो ही टीमों के बीच 9 दिसंबर से कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। वहीं 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा व 14 दिसंबर को धर्मशाला में तीसरा मैच खेला जाएगा। 17 दिसंबर को लखनऊ में चौथा टी20 मैच होगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में पांचवां मुकाबला होगा।।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शुभमन गिल की कप्तानी में टीम घोषित कर दी है। चोट से उबर कर वापसी कर रहे ऋषभ पंत इस टीम के उपकप्तान करेंगे। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल रहेंगे जबकि तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए बेहद अहम रहेगी। एकदिवसीय के लिए भी शुभमन ही कप्तानी रहेंगे पर टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव संभालेंगे।

टेस्ट टीम इस प्रकार है : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहले से की गयी तैयारी का लाभ मिला : अभिषेक

–शीर्ष आक्रमण के सामने अपनी बल्लेबाजी को परखना चाहता था

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निशाने वाले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उन्होंने इसके लिए पहले से तैयारी की थी जिसका उन्हें लाभ मिला। अभिषेक के अनुसार उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाया था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में सफल रहे। वह अपनी बल्लेबाजी को ऑस्ट्रेलिया में शीर्ष स्तर के गेंदबाजी आक्रमण के सामने परखना भी चाहते थे।

अभिषेक ने इस सीरीज में पांच मैच में 163 रन बनाए। सीरीज में बारिश के कारण तीन ही मैच हुए जबकि दो मैच रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट का काफी समय से इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तभी से मैं इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ''अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं अपने को इस तरह की गेंदबाजी और हालातों के लिए तैयार करना चाहता था।

उनका प्रयास विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर ध्यान देना भी था। पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने के कारण खेलने में हुई आसानी को लेकर अभिषेक ने कहा, 'अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं।

वहीं बल्लेबाजी में अति-आक्रामक रवैये को लेकर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। अभिषेक ने कहा, 'कप्तान और कोच ने मुझे अपने अनुसार खेलने की आजादी दी है। साथ ही कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर जब आप 20 या 30 रन बनाते हैं तो आप जानते हैं कि आप ज्यादा देर तक खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीरीज ने अगले साल टी20 विश्व कप में जगह बनाने के उनके इरादे को और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे विश्व कप

खेलने का मौका मिला तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

घर में 9 दिन बाद शादी, चाचा-भतीजे की मौतः तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने बाइक को मारी टक्कर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा फतेहपुर

सीकर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने बाइक सवार चाचा-भतीजे को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। चाचा के 2 भाइयों की 18 नवंबर को है। रविवार सुबह 11.30 बजे चाचा-भतीजा कार्ड बांटने जा रहे थे। इस दौरान फतेहपुर-चूरू हाईवे पर गंगापुरा बस स्टैंड के पास फॉर्च्यूनर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और फॉर्च्यूनर का आगे का हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। फॉर्च्यूनर गाड़ी के एयरबैग भी खुल गए। मामला रामगढ़ थाना इलाके का है। हेड कॉन्स्टेबल राजेश कुमार ने बताया- झुंझुनूं जिले के मलसीसर निवासी शीशराम (28) पुत्र सीताराम और विकास (21) पुत्र

मोहनलाल मेघवाल बाइक पर रामगढ़ की तरफ जा रहे थे। इस दौरान रामगढ़ की तरफ से आई हरियाणा नंबर की तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस की मदद से एक घायल को रामगढ़ अस्पताल ले जाया गया। वहीं दूसरे को फतेहपुर कस्बे के राजकीय धानुका उप जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। हेड कॉन्स्टेबल ने बताया- हादसे के बाद फॉर्च्यूनर का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भाग गया। गाड़ी के मालिक की पहचान की जा रही है। पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दी। दोपहर 2.30 बजे परिजन अस्पताल पहुंचे। मृतक विकास के भाई नंदलाल ने बताया- परिवार में चाचा शीशराम के 2 भाइयों की 18 नवंबर को शादी है। सुबह चाचा शीशराम और विकास शादी का कार्ड बांटने के लिए निकले थे। इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया। नंदलाल ने बताया- विकास की कॉलेज की पढ़ाई पूरी हो गई है। वह दिल्ली पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था।। पिता चेजा पत्थर का काम करते हैं। मां गृहिणी है। चाचा शीशराम का मलसीसर गांव में ही सैलून है। चाचा के 2 बेटियां हैं। शीशराम के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। मां गृहिणी है। दो बहनों की शादी हो चुकी है। अब 2 भाइयों की शादी है, जिसके लिए कार्ड बांटने गए थे।

अजमेर में डाई नदी की पुलिया पर बेकाबू ट्रक पलटा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर के बांदनवाड़ा में नेशनल हाइवे पर रविवार को एक ट्रक बेकाबू होकर डाई नदी की पुलिया पर पलट गया। हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक का क्लीनर घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को हटाकर यातायात सुचारू कराया। घायल को उपचार के लिए अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बांदनवाड़ा चौकी इंचार्ज गिरधर सिंह ने बताया कि ट्रक जयपुर से भीलवाड़ा की ओर जा रहा था। अखासागर तालाब से पहले डाई नदी की पुलिया पर ट्रक असंतुलित होकर पलटी खा गया। ट्रक पलटी खाने से ट्रक ड्राइवर जसविन्द्र सिंह पुत्र मुख्तियार सिंह निवासी जालंधर पंजाब की मौके पर ही मौत हो गई और ट्रक खलासी बंसल सिंह पुत्र तारा सिंह निवासी पंजाब गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हाइवे एंबुलेंस की सहायता से घायल को अजमेर के जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान पुलिस ने हाईवे पेट्रोलिंग की मदद से ट्रक को हटवाकर यातायात सुचारु करवाया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अजमेर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

10 हजार लेकर हिस्ट्रीशीटर को दिए थे बिजनेसमैन के नंबर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

गैंगस्टर रोहित गोदारा और हिस्ट्रीशीटर राहुल को बिजनेसमैन के मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने वाले वाले अजित बन्ना ने 10 हजार रुपए लिए थे। सीकर की फतेहपुर कोतवाली पुलिस ने अजित बन्ना को 7 नवंबर को गिरफ्तार किया था, जिसने पूछताछ में रुपए लेने की बात कही है। फतेहपुर कोतवाली थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह देगड़ा ने बताया कि आरोपी अजित बन्ना अभी 5 दिन के पुलिस रिमांड पर है, जिससे पूछताछ में कई खुलासे होने की संभावना है। दरअसल 11 सितंबर को बिजनेसमैन बाबूलाल जाट ने सीकर के फतेहपुर कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दी थी, जिसमें बताया कि उनके पास 10 सितंबर को विदेशी नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद का नाम राहुल रिणाउ बताया और कहा कि उसे गैंगस्टर रोहित गोदारा ने कहा कि बाबूलाल थोरी (सरपंच) को कॉल करके कहो कि 2 करोड़ की फिरौती दो। नहीं तो हम बाबूलाल और उसके बेटे मोहित को उठा ले जाएंगे या गोली मार देंगे। उसी रात बाबूलाल के बेटे मोहित के वॉट्सऐप पर ऑडियो मैसेज आया। ऑडियो मैसेज में भी गोली मारने की धमकी दी जा रही थी। रात 10:30 बजे भी बाबूलाल के नंबर पर चार ऑडियो मैसेज आए। इनमें भी बाबूलाल और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार इस केस में इन्वेस्टिगेशन कर रही थी। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर राहुल से जुड़े करीब 50 से 70 लोगों से पूछताछ की। इस बीच पुलिस को एक बड़ा क्लू मिला। एक युवक ने पुलिस को बताया कि उसके अकाउंट में 10 हजार रुपए अजित उर्फ अज्जु बन्ना ने मंगवाया हैं। ऐसे में जब पुलिस ने जानकारी जुटाना शुरू किया तो सामने आया कि यह अमाउंट हिस्ट्रीशीटर राहुल ने किसी के जरिए अजित के लिए ही युवक के अकाउंट में ट्रांसफर करवाए थे। इस पर पुलिस रिणाउ गांव में पहुंची। यहां पुलिस ने आरोपी अजित उर्फ अज्जु बन्ना की मौसी के घर पर दबिश दी। आरोपी अजित वहां से भागने लगा। लेकिन पुलिस ने उसे पीछा करके पकड़ लिया। अजित पिछले कई सालों से अपनी मौसी के घर पर ही रह रहा था।

करौली में जुआ खेलते 6 लोग गिरफ्तारः दो जगह से 3,530 रुपए जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा करौली

करौली कोतवाली पुलिस ने रविवार को जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए शहर के दो अलग-अलग स्थानों से छह जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3,530 रुपए नकद जब्त किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। थाना अधिकारी अध्यात्म गौतम ने बताया कि पहली कार्रवाई जगदम्बा लॉज के पास की गई, जहां सब-इंस्पेक्टर मोहिन्द्र सिंह और उनकी टीम ने शराब के ठेके से सटी एक खुली दुकान में दबिश दी। वहां तीन जुआरी ताश के पत्तों से हार-जीत का दांव लगाते हुए मिले। पुलिस ने मौके से अमृतलाल निवासी बहराई (थाना मासलपुर), रवि निवासी 132 केवी करौली और अजय निवासी कल्याणी (थाना मामचारी) को गिरफ्तार किया। इनसे 1,650 रुपए नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए गए। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। दूसरी कार्रवाई हेड कॉन्स्टेबल बदनसिंह और उनकी टीम ने की। उन्होंने गायत्री नगर में नीम के पेड़ के नीचे जुआ खेल रहे तीन अन्य जुआरियों को पकड़ा। इनमें विन्दू निवासी हवेली पाड़ा, बाड़ी (धौलपुर), अजय निवासी इन्द्रा कॉलोनी, करौली और सुन्ना निवासी इन्द्रा कॉलोनी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 1,880 रुपए नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए। इन तीनों आरोपियों के खिलाफ भी मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

गर्म सरिये के दागने से 9-महीने के मासूम की मौतः पेट पर भोपे ने लगाया था डाम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भीलवाड़ा में अंधविश्वास के कारण एक मासूम की जान चली गई। 9 महीने के मासूम को सर्दी-जुकाम और सांस लेने में परेशानी हुई तो परिजन उसे भोपे के पास ले गए। भोपे ने बच्चे को गर्म सरिये से दागा। इससे बच्चे की हालत बिगड़ गई। परिजन उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां 3 दिन बाद शनिवार की देर रात मासूम की मौत हो गई। मामला भीलवाड़ा के सदर थाना क्षेत्र के इंरास गांव का है। पुलिस ने आज रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद मासूम का शव परिजनों को सौंप दिया, जिसे देखकर परिजन बिलख पड़े। पुलिस ने बताया- देवा बागरिया अपने 9 माह के बेटे गोविंद को बीमार होने और सांस लेने में परेशानी होने पर मंगलवार की दोपहर करीब 3 बजे गांव में ही एक भोपा के पास लेकर पहुंचा। वहां भोपा ने उसे डाम(गर्म सरिये) लगा दिया। इसके बाद परिजन बच्चे को घर लेकर आ गए। इस बीच डाम लगने के बाद बच्चे की हालत बिगड़ती चली गई। गुरुवार को बच्चे की हालत ज्यादा बिगड़ी तो परिजन बच्चे को लेकर मातृ एवं शिशु चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां मासूम को तुरंत भर्ती कर लिया गया। डॉक्टर्स की निगरानी में इलाज शुरू किया गया। हॉस्पिटल में एडमिट होने के तीसरे दिन शनिवार की देर रात मासूम की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद आज शव परिजनों को सौंप दिया गया। हालांकि हॉस्पिटल के ड्यूटी स्टाफ ने पूरे मामले की जानकारी हॉस्पिटल चौकी को दी। इसके बाद चौकी स्टाफ से मिली सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सदर थाना प्रभारी कैलाश बिश्नोई ने बताया- 9 महीने के मासूम को डाम लगाने और उसके बाद शनिवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत होने के प्रकरण में भोपे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच की जा रही है। मृतक के पिता झाड़ू बेचने का काम करते है।

बच्चे को हुआ था निमोनिया

9 माह के बच्चे को निमोनिया होने पर उपचार के नाम पर भोपे के कहने पर गर्म सलाखों से दागा, जि?ससे बच्चे की हालत और बिगड़ गई. परिजन महात्मा गांधी अस्पताल में लाए, जहां मासूम की स्थिति नाजुक बनती गई. सुधार नहीं होने पर इंचार्ज डॉ. इंदिरा सिंह के नेतृत्व में स्पेशल टीम डॉक्टरों की बनाई गई. जिन्होंने 3 दिन मासूम को ऑब्जरवेशन पर रखा. इस दौरान शिशु को वेंटिलेटर पर भी लिया गया, मगर आज रविवार को उसकी मौत हो गई.

दो बाइक की भिड़ंत में दो व्यक्ति घायलः डीबी अस्पताल में भर्ती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चूरू

चूरू-जयपुर रोड पर ढाणी लालसिंहपुरा गांव के पास रविवार दोपहर दो बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घायलों को मौके पर मौजूद लोगों ने निजी वाहन से डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। अस्पताल में रामगढ़ नगरदास निवासी नेमीचंद (28) ने बताया कि वह रविवार दोपहर रामगढ़ से चूरू आ रहा था। इसी दौरान ढाणी लालसिंहपुरा गांव की ओर से मुख्य सड़क पर आ रहे रामेश्वरलाल (55) की बाइक से उसकी भिड़ंत हो गई। रामेश्वरलाल ढाणी लालसिंहपुरा के ही निवासी हैं। डीबी अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों ने घायलों का इलाज किया। दोनों घायलों के सिर में चोटें आई हैं, जिसके कारण अस्पताल स्टाफ ने उनकी सिटी स्कैन करवाई है। फिलहाल, दोनों घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलने पर रतननगर थाना से एएसआई छगनलाल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने दोनों घायलों और उनके परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली।

थाईलैंड में राजस्थान के युवकों को थर्ड डिग्री टॉर्चर, नौकरी के झांसे में चाइनीज कंपनियां चला रही मौत का गंदा खेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनू

राजस्थान के झुंझुनूं जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां के दो युवक विदेश में अच्छी नौकरी और मोटी कमाई का लालच लेकर थाईलैंड गए थे लेकिन वहां फंसकर मौत के मुंह से वापस लौटे. पौंख गांव के अक्षय मीणा और मणकसास गांव के शैलेष मीणा ने बताया कि कैसे एक छोटा सा झांसा उनके जीवन को नर्क बना गया. वे अब घर लौट आए हैं लेकिन उनकी आंखों में वो डर और दर्द अभी भी जिंदा है. यह कहानी हर उस युवा के लिए चेतावनी है जो बिना सोचे-समझे विदेशी नौकरियों के पीछे भागता है. तीन महीने पहले सोशल मीडिया ऐप टेलीग्राम पर इन दोनों युवकों को डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी का ऑफर मिला. वेतन 80 हजार रुपए महीना था और एजेंटों ने वीजा तथा हवाई टिकट मुफ्त होने का वादा किया. लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्होंने अपनी जानकारी दी. फिर एजेंट का फोन आया और अच्छी जिंदगी का सपना दिखाया. दोनों को यह बात सच्ची लगी. अगस्त महीने में वे दिल्ली से बैंकॉक के लिए निकल पड़े. लेकिन हकीकत कुछ और ही थी. बैंकॉक पहुंचते ही एजेंटों ने कहा कि उन्हें थाईलैंड के दूसरे शहर ले जाया जा रहा है. रास्ता जंगलों से

होकर गुजरा और वे थाईलैंड-म्यांमार सीमा पर केके पार्क पहुंच गए. यहां अवैध साइबर ठगी के कैंप चल रहे थे. युवकों को ठगी की ट्रेनिंग दी गई. उन्होंने मना किया तो टॉर्चर शुरू हो गया. उन्हें इंटरनेट से विदेशी लोगों को ठगने के लिए मजबूर किया. ठगी के तरीके थे फर्जी निवेश साइट्स लॉटरी ऑनलाइन डेटिंग और क्रिप्टो करेंसी के नाम पर. ये कैंप चाइनीज कंपनियां चला रही हैं जहां भारत समेत कई देशों के हजारों लोग फंसे हैं. विरोध करने पर मारपीट होती है जेल में डाल दिया जाता है या 4-5 लाख रुपए में दूसरे एजेंटों को बेच दिया जाता है. इन युवकों ने भी यही सब सहा. वे बताते हैं कि काम न करने पर इलेक्ट्रिक शॉक दिया जाता है कई दिन भोजन नहीं मिलता और थर्ड डिग्री टॉर्चर से भी बदतर सजा होती है. देश भर से 2000 से ज्यादा युवा ऐसे कैंपों में फंसे हैं.

हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोपः महिला का शव पंखे के हुक से लटका मिला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

भरतपुर के हलैना थाना इलाके में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला के पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज करवाई है। महिला की ढाई साल पहले ही शादी हुई थी। महिला के पति पुष्पेंद्र मीणा निवासी नेवाड़ा गांव ने बताया कि कल शाम घर के काम को लेकर उसकी पत्नी शिक्षा (24) से कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद उसने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। शाम करीब 8 बजे मैं अपने कमरे में गया तो, उसका शव पंखे के कुंडे से लटका हुआ था। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को हलैना अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। साथ ही शिक्षा के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। शिक्षा के पीहर पक्ष के लोग कल ही हलैना पहुंच गए। वह पुष्पेंद्र के परिजनों से झगड़ा करने लगे। जिसके आज शिक्षा के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। जिसके बाद शिक्षा के परिजन उसके शव को पीहर खुडयाणा गांव जिला अलवर ले गए हैं। वहीं शिक्षा के पीहर पक्ष का आरोप है कि शिक्षा की शादी 5 मई 2023 में हुई थी। शादी के बाद से ही पुष्पेंद्र और उसके परिजन शिक्षा से दहेज के लिए मारपीट करते थे। शिक्षा और पुष्पेंद्र का एक बेटा भी है। जब पुष्पेंद्र के परिजनों की मांग पूरी नहीं कि तो, कल उन्होंने शिक्षा की हत्या कर दी और, शव को फांसी के फंदे से लटका दिया। इसकी हलैना थाने में शिक्षा के परिजनों ने FIR भी करवाई है।

रास्ते में पड़े थे बिजली के तार

2 भाइयों की मौतः खेत पर जाते समय तड़प-तड़पकर तोड़ा दम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टोंक

टोंक में करंट लगने से दो भाइयों की मौत हो गई। दोनों रविवार सुबह करीब 6 बजे नहर के रास्ते से खेत पर जा रहे थे। रास्ते में बिजली के टूटे तार पड़े थे। पैर तार पर टच होने से उन्हें करंट लग गया। उनकी मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। हादसा पीपलू थाना इलाके के बलखंडिया गांव में हुआ। हादसे के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोग दोनों शव हादसा स्थल पर ही रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। लोग मृतकों के परिजनों को मुआवजा, आश्रितों को संविदा पर नौकरी और अन्य मांगों पर अड़े हुए हैं। पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया- परिजन और ग्रामीण 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, मृतकों के एक-एक आश्रित को

संविदा पर नौकरी की मांग कर रहे हैं। उन्हें समझाया जा रहा है। हादसे की सूचना पर पीपलू डीएसपी, पीपलू व झिराना थाना प्रभारी और नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। वे पोस्टमॉर्टम के लिए शवों को हॉस्पिटल ले जाने लगे। लेकिन, मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें रोक दिया। लोगों का कहना है कि पहले मृतकों के आश्रितों को मुआवजा और नौकरी की मांगें पूरी करें। लोगों का आरोप है कि बिजली निगम की लापरवाही से इस बिजली लाइन के तार टूटे पड़े थे। इसी कारण यह हादसा हुआ। बिजली निगम कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और बिजली सप्लाई बंद करवाकर तारों को एक तरफ करवाया। हादसे में रामनारायण (35) और हरलाल (26) पुत्र मंगला बलाई की मौत हुई है। दोनों के बड़े भाई बजरंग और किशोर कुमार ने बताया- रामनारायण और हरलाल आज सुबह करीब 6 बजे खेत पर जा रहे थे। वे भोपता नाले पर बनी नहर से होकर गुजर रहे थे। पानी नहीं होने से लोग अपने खेतों में जाने के लिए इसी नहर का इस्तेमाल करते हैं। इस नहर के ऊपर से एग्रीकल्चर की बिजली लाइन गुजर रही है। इसके तीनों तार टूटे पड़े थे। वहां से गुजरते समय दोनों भाई तारों के टच हो गए और करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां से गुजर रहे किसानों को पता लगा तो उन्होंने सूचना दी। सूचना के बाद सुबह करीब 7 बजे पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। मौके पर पीपलू स्ष्ठरूगणराज बड़गोती, बिजली निगम के स्ध्व के एल पटेल, ङ्गध्वह्र मोहर सिंह मीणा, पीपलू डीएसपी अरविंद, नायब तहसीलदार प्रभुलाल, पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह, झिराना थाना प्रभारी हरिमन मौजूद हैं।

नेहरू को केवल चीन युद्ध, आडवाणी को रथ यात्रा से न आंकें, सांसद शशि थरूर का चौंकाने वाला बयान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक लाल कृष्ण आडवाणी की विरासत का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि जैसे भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सिर्फ चीन युद्ध की हार से नहीं आंका जा सकता या इंदिरा गांधी को केवल आपातकाल से नहीं, वैसे ही

आडवाणी के लंबे राजनीतिक जीवन को भी एक घटना तक सीमित कर देना अनुचित है। शशि थरूर ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर यह बयान आडवाणी के 98वें जन्मदिन (8 नवंबर) पर शुभकामनाएं देते हुए दिया। थरूर ने आडवाणी को 'एक सच्चे राजनेता' बताते हुए कहा कि उनका लोकसेवा के प्रति समर्पण, विनम्रता और ईमानदारी देश के लिए प्रेरणा है। हालांकि, थरूर के इस ट्वीट पर विवाद भी खड़ा हो गया। सुप्रीम कोर्ट के वकील संजय हेगड़े ने थरूर की आलोचना करते हुए लिखा माफ कीजिए थरूर साहब, लेकिन इस देश में नफरत के बीज बोना लोकसेवा नहीं कहा जा सकता। इसके जवाब ने थरूर ने लिखा नेहरूजी के पूरे करियर को चीन की हार से नहीं आंका जा सकता, न ही इंदिरा गांधी को सिर्फ आपातकाल से। इसी तरह, हमें यही दृष्टिकोण आडवाणी जी के साथ भी अपनाना चाहिए। उनके लंबे सार्वजनिक जीवन को सिर्फ एक घटना से आंकना गलत है। यह बयान उन्होंने 1990 की राम रथ यात्रा का हवाला देते हुए दिया, जिसमें आडवाणी ने राम मंदिर आंदोलन को नई दिशा दी थी। हेगड़े ने लिखा कि यह यात्रा भारतीय गणराज्य के मूल सिद्धांतों को बदलने की कोशिश थी, जिसके दूरगामी राजनीतिक प्रभाव आज भी दिखते हैं। थरूर ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन को एक घटना से परिभाषित करना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 8 नवंबर को दिल्ली में आडवाणी से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उन्हें "भारत के लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में अमिट छाप छोड़ने वाला नेता" बताया। मोदी ने कहा आडवाणी जी की दूरदर्शिता और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत की प्रगति को मजबूती दी है। मैं उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।" गौरतलब है कि राम रथ यात्रा 25 सितंबर 1990 को गुजरात के सोमनाथ से शुरू होकर अयोध्या तक पहुंचनी थी, लेकिन इसे बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने रोक दिया था और आडवाणी को गिरफ्तार कर लिया था। इसके दो साल बाद, 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की घटना हुई।

फिलीपींस में फंग-वोंग तूफान, 10 लाख से ज्यादा लोग सुरक्षित जगहों पर भेजे गए, आपातकाल घोषित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मनीला

फिलीपींस हाल के दिनों प्रकृति के दोहरे प्रकोप से जूझ रहा है। हाल ही में आए टाइफून कल्मेगी में 200 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद अब 'सुपर टाइफून फंग-वोंग' रविवार को देश के उत्तर-पूर्वी तट से टकराया, जिससे तेज हवाएं और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। तूफान के कारण बिजली गुल हो गई और एक लाख से

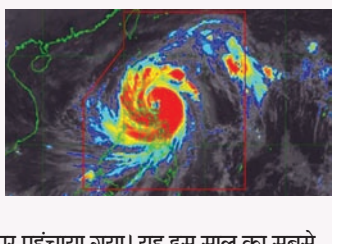

अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। यह इस साल का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, फंग-वोंग की रफ्तार 185 किमी प्रति घंटा तक है, जबकि हवा के झोंके 230 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रहे हैं। इसका प्रभाव 1,600 किलोमीटर के दायरे में फैल सकता है यानी यह दक्षिण-पूर्व एशिया के दो-तिहाई हिस्से को प्रभावित कर सकता है। सरकार ने पहले से ही चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि यह तूफान देश के दो-तिहाई हिस्से को अपनी चपेट में ले सकता है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने आपातकाल की घोषणा की है। रक्षा मंत्री गिल्बर्टो टियोडोरो जूनियर ने चेतावनी दी कि यह तूफान देश के कई हिस्सों में तबाही मचा सकता है, जिसमें सेबू, औरोरा, इसाबेला और यहां तक कि राजधानी मनीला भी शामिल है। हाल ही में आए 'टाइफून कालमागी' से हुई तबाही से देश उबर नहीं पाया है, जिसमें 224 लोगों की मौत हुई थी। बिकोल और उत्तर-पूर्वी प्रांतों के तटीय इलाकों से 10 लाख से ज्यादा लोगों को निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। वहीं, सेना और राहत एजेंसियां बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सोमवार और मंगलवार को स्कूल और सरकारी दफ्तर बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। अब तक 300 से अधिक घरेलू और 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। 6,000 से ज्यादा लोग बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं क्योंकि जहाजों को समुद्र में उतरने की अनुमति नहीं है। इस बीच, कई इलाकों में बिजली कटौती, स्कूलों और सरकारी दफ्तरों की बंदी और उड़ानों की रद्दीकरण जैसी आपात स्थितियां घोषित की गई हैं। लगभग 6,600 यात्री और कर्मचारी बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं क्योंकि कोस्ट गार्ड ने समुद्र में किसी भी जहाज के जाने पर रोक लगा दी है। फिलीपींस हर साल करीब 20 तूफानों की चपेट में आता है, साथ ही यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट भी होते रहते हैं। यह दुनिया के सबसे अधिक आपदा-प्रवण देशों में से एक माना जाता है।

आतंकी नेटवर्क को खत्म करने की कार्रवाई तेज, जम्मू कश्मीर के कई जिलों में सेना का सर्च ऑपरेशन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क को जमीनी स्तर से उखाड़ फेंकने के निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। रविवार को आतंकवाद और उसके समर्थक नेटवर्क के प्रति जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत कुलगाम और रामबन जिले में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

रामबन जिले में पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसओजी इकाइयों की संयुक्त टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ मिलकर जिलेभर के अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया। ये अभियान आम जनता को किसी भी तरह की असुविधा पहुंचाए बिना, संगठित तरीके से चलाए गए। इसका उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में जानकारी जुटाना और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी करना था। अभियानों के दौरान सुरक्षाबलों ने रामबन के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय आतंकवादियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के रिश्तेदारों और ज्ञात सहयोगियों के घरों की तलाशी ली। पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों का गहन निरीक्षण किया कि राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा तो नहीं दिया जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से एजेंसियों के साथ सहयोग करने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों या व्यक्तियों के बारे में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की अपील की। इसके साथ ही, आश्वासन दिया गया कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इसी तरह, कुलगाम में सुरक्षाबलों ने जिले के कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की।

बिहार में सीएम योगी: बोले- पंचर बनाने वाले आकर विकास को पंचर कर देंगे, कांग्रेस-राजद पर किए जोरदार हमले

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नरपतगंज हाई स्कूल स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों कांग्रेस, राजद और समाजवादी पार्टी पर सीधा प्रहार किया। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन की अररिया जनपद में आयोजित इस जनसभा के जरिए यूपी के मुख्यमंत्री ने खुलकर कहा कि बिहार में फिर से 'जंगलराज' लाने की कोशिश करने वालों को रोकना जरूरी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंचर बनाने वाले यहां आकर विकास को पंचर करने का काम करना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेताया कि नरपतगंज को किसी भी तरह से 'घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड' नहीं बनने देना है। यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस बिहार ने दुनिया को नालंदा विश्वविद्यालय और ज्ञान की रोशनी दी, उसी बिहार को कांग्रेस और राजद की जोड़ी ने निरक्षरता और

अराजकता की तरफ धकेल दिया। उन्होंने कहा कि इस धरती ने मां जानकी, महात्मा बुद्ध और भगवान महावीर को जन्म दिया है। यही धरती आर्यभट्ट, चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य की धरती है, लेकिन कांग्रेस-राजद ने इस पवित्र भूमि को जातीय विभाजन और माफियागीरी से कलंकित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने समाज को जाति के नाम पर बांटा, सरकारी खजानों की लूट मचाई और बिहार के नौजवानों को बेरोजगार बनाया। इनकी करनी से बिहार बीमारू बन गया, जबकि यह वही भूमि है जिसने भारत को स्वर्ण युग दिया। यूपी में माफिया पर बुलडोजर चलाकर हड्डी पसली एक कर दी जाती है यूपी के सीएम ने विपक्षी गठबन्धन पर सीधे-सीधे आरोप लगाया कि कांग्रेस, राजद और उनके सहयोगी जातिगत विभाजन और माफिया-समर्थन के जरिए बिहार में अराजकता के लिए ज़िम्मेदार हैं। सभा में योगी ने यह भी कहा कि यूपी में माफिया पर बुलडोजर चलता है और उसकी हड्डी पसली एक कर दी जाती है। माफिया द्वार कब्जा की गई जमीन पर गरीबों के लिए हवेलियां बनाई जा रही हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार जब से कांग्रेस-राजद के दौर से बाहर आया है, तब से ही विकास की राह खुली है। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी जाति को जाति से लड़ाने और खानदानी माफिया को संरक्षण देने में लगे रहे, वे अब फिर से वही हालात पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद ने मिलकर समाज को बांटा, नौजवानों के अवसर छिने और किसानों तथा सामान्य जनता को विषम हालात में डाल दिया। योगी आदित्यनाथ ने यूपी के पिछले साढ़े आठ साल के डबल इंजन शासन का ज़िक्र कर कहा कि वहां कर्फ्यू और दंगे अब नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यूपी न कर्फ्यू न दंगा है, वहां सब चंगा है। वह इसे एनडीए के सुशासन की सफलता के रूप में पेश करते दिखे। उन्होंने बिहार के विकास के लिए नितीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि 2005 के बाद से बिहार में रोड, बिजली, पेयजल, शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों की श्रृंखला बनकर आई है और मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 साल में यह और भी तेज हुआ। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राममंदिर के निर्माण और उससे जुड़े विकास कार्यों का भी संदर्भ देते हुए कहा कि आस्था और विकास दोनों का सम्मान एनडीए ही करेगा। यूपी के मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि एनडीए जो कहता है, वह कर के दिखाता है।

गुरुग्राम में सनसनीखेज वारदात: पिता की लाइसेंसी पिस्टल से क्लासमेट को गोली मारी, दो नाबालिग गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गुरुग्राम

गुरुग्राम में देर रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दो नाबालिगों ने कथित तौर पर अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से 11वीं कक्षा के एक सहपाठी को गोली मार दी। घायल छात्र की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के कुछ घंटों के भीतर ही दोनों नाबालिग आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। गुरुग्राम में देर रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दो नाबालिगों ने कथित तौर पर अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से 11वीं कक्षा के एक सहपाठी को गोली मार दी। घायल छात्र की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के कुछ घंटों के भीतर ही दोनों नाबालिग आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस को बीती देर रात सेक्टर 48 में एक लड़के को गोली लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि घायल लड़के को परिवार वाले इलाज के लिए मेदांता अस्पताल ले जा चुके हैं। पुलिस की सीन ऑफ क्राइम, एफएसएल और फिंगरप्रिंट टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान, घटनास्थल से एक पिस्टल, एक मैगजीन, पांच जिंदा कारतूस और एक खाली कारतूस बरामद हुई। इसके अतिरिक्त, कमरे के अंदर रखे एक बॉक्स से एक मैगजीन और 65 जिंदा कारतूस भी मिले।

घायल लड़के की मां ने पुलिस को दी गई लिखित शिकायत में बताया कि उनका बेटा 11वीं कक्षा में पढ़ता है। बीते दिन उसके बेटे के स्कूल के दोस्त का फोन आया था और मिलने के लिए बुलाया था। लड़के की मां ने उसे जाने से मना किया था, लेकिन दोस्त ने कहा कि वह उसे लेने आ रहा है। इसके बाद, लड़के की मां ने अपने बेटे को जाने दिया। शिकायत में बताया गया है कि उसका बेटा खेड़की दौला टोल तक गया, जहां उसे दोस्त मिला। लगभग दो महीने पहले, लड़के का उसके दोस्त के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश के चलते, दोस्त ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर पीड़ित को अपने किराए के मकान में ले जाकर जान से मारने की नीयत से गोली मार दी। इस शिकायत के आधार पर, पुलिस थाना सदर ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने में संलिप्त दोनों नाबालिग आरोपियों को घटना के कुछ घंटों बाद ही गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में यह पता चला कि पीड़ित और दोनों नाबालिग आरोपी एक ही स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र हैं। नाबालिग आरोपियों से पूछताछ में यह भी सामने आया कि लगभग दो महीने पहले आरोपी (गोली मारने वाला) का पीड़ित से झगड़ा हुआ था।

हम मान्यता प्राप्त संस्था हैं, पंजीकरण की जरूरत नहीं, आरएसएस पर उठे सवालों का मोहन भागवत ने दिया जवाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कांग्रेस नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि संघ को व्यक्तियों के समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है और इसका पंजीकरण कराना जरूरी नहीं है। भागवत ने एक सवाल-जवाब सत्र में कहा आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी। क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के साथ पंजीकृत होते? उन्होंने आगे

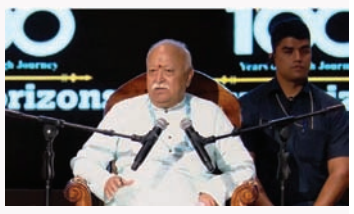

बताया कि आजादी के बाद भारत सरकार ने ऐसे संगठनों के लिए पंजीकरण को अनिवार्य नहीं बनाया है। भागवत ने कहा हम 'बॉडी ऑफ इंडिविजुअल्स' के रूप में वर्गीकृत हैं और एक मान्यता प्राप्त संगठन हैं। संघ प्रमुख ने बताया कि आयकर विभाग और अदालतों ने भी आरएसएस को "बॉडी ऑफ इंडिविजुअल्स" के रूप में मान्यता दी है, जिसके कारण संगठन को आयकर से छूट मिली हुई है। भागवत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा हम पर तीन बार प्रतिबंध लगाया गया। अगर हम होते ही नहीं, तो सरकार ने किस पर प्रतिबंध लगाया था? उन्होंने आगे कहा कि कई चीजें हैं जो पंजीकृत नहीं होतीं। उन्होंने अपने बयान में जोड़ा कि यहां तक कि हिन्दू धर्म भी पंजीकृत नहीं है। जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से पूछा गया कि क्या मुसलमानों को संघ में शामिल होने की अनुमति है, तो उन्होंने कहा संघ में किसी ब्राह्मण, किसी दूसरी जाति, किसी मुस्लिम या ईसाई को अलग से नहीं लिया जाता। संघ में केवल हिंदू समाज के सदस्य आते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि संघ में आने वाले व्यक्ति अपनी अलग पहचान घर पर छोड़कर आते हैं। भागवत ने कहा मुस्लिम हों, ईसाई हों या किसी भी पंथ के लोग सबका स्वागत है। लेकिन शाखा में आने के बाद सब भारत माता के बेटे माने जाते हैं। भागवत ने बताया कि शाखा में आने वाले लोगों से उनकी जाति या धर्म नहीं पूछा जाता। उन्होंने जोड़ा हम यह नहीं गिनते कि कौन किस जाति या धर्म से है। हमारे लिए सब भारत माता के सपूत हैं। यही संघ की कार्यप्रणाली है। मोहन भागवत ने कहा कि संघ हमेशा से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का सम्मान, श्रद्धांजलि और रक्षा करता आया है। उन्होंने बताया कि 1933 में राष्ट्रीय ध्वज तय करने वाली समिति ने भगवा रंग की सिफारिश भी की थी, लेकिन महात्मा गांधी ने तीन रंगों वाला तिरंगा चुना। भागवत ने कहा हमारा भगवा अपना है और तिरंगा हमारा राष्ट्रीय प्रतीक दोनों में कोई टकराव नहीं है। पाकिस्तान के बारे में पूछे जाने पर भागवत ने कहा कि वे मानते हैं कि कभी-कभी पाकिस्तान को वह भाषा समझानी पड़ती है जो वह समझे।

अगले दस साल तक तेलंगाना पर शासन करेगी कांग्रेस', मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का बयान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हैदराबाद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस आने वाले दस साल तक यानी 2034 तक राज्य में सत्ता में बनी रहेगी। हैदराबाद में 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भरोसा जताया कि जनता ने कांग्रेस को लंबे समय तक सरकार चलाने का जनादेश दिया है। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि बीआरएस ने दस साल के शासन में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की औसत वार्षिक आय होने के बावजूद कई परियोजनाएं, खासकर हैदराबाद में कुछ फ्लाईओवर पूरे नहीं किए। रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे पर तेलंगाना में निवेश करने की इच्छुक कई कंपनियों को गुजरात भेजा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार का केंद्र से झगड़ा करने का कोई इरादा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, 1994 से 2004 तक तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने शासन किया, 2004 से 2014 तक कांग्रेस सत्ता में रही, 2014 से 2024 तक बीआरएस ने शासन किया और अब 2024 से 2034 तक कांग्रेस सरकार रहेगी। यह जनता का तय किया हुआ जनादेश है। रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत तय है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी अपनी जमानत गंवाएगी और बीआरएस पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

संसद सत्र से पहले कांग्रेस आक्रामक: रमेश बोले- ट्रंप के बयान पर मौन पीएम, चीन से संबंध और बेरोजगारी अहम मुद्दे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

संसद सत्र से पहले कांग्रेस पार्टी ने आक्रामक रुख अपना लिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आगामी शीतकालीन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर), चीन से अनसुलझे रिश्ते और आर्थिक सुस्ती जैसे मुद्दे विपक्ष के लिए बड़ी चिंता बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों पर प्रधानमंत्री की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जबकि देश में बेरोजगारी और विकास दर की स्थिति लगातार खराब हो रही है। जयराम रमेश ने शनिवार को कहा, 'इस बार संसद में कई अहम मुद्दे उठेंगे। सबसे पहले तो एसआईआर का मामला, फिर प्रधानमंत्री की ट्रंप के बयानों पर चुप्पी। चीन के साथ हमारे संबंध अब भी सामान्य नहीं हुए हैं। पुरानी स्थिति बहाल नहीं हुई है, बल्कि बातचीत अब उस नए सामान्य पर हो रही है, जो चीन ने तय किया है।' केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की थी कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जयराम रमेश ने कहा कि सत्र 'असामान्य रूप से देर से और छोटा' है। उन्होंने कहा, 'आम तौर पर शीतकालीन सत्र 20 से 23 नवंबर के बीच शुरू होकर 24 दिसंबर

तक चलता है। लेकिन इस बार यह 1 दिसंबर से शुरू होकर केवल 15 दिन चलेगा। सरकार आखिर किस बात से डर रही है?' कांग्रेस नेता ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है। उन्होंने कहा, 'आर्थिक विकास की दर घट रही है, बेरोजगारी बढ़ रही है। हम बार-बार नोटिस देते हैं, लेकिन सरकार कोई कदम नहीं उठाती। सरकार वही करती है जो उसे सही लगता है।' केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए जयराम रमेश ने पूछा, 'क्या सत्र इसलिए छोटा किया गया है क्योंकि दिल्ली में प्रदूषण है? क्या कोई विधेयक या बहस के मुद्दे नहीं बचे? या फिर लोकसभा चुनाव नजदीक हैं?' इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया कि कांग्रेस को संसद के कामकाज में रुकावट नहीं डालनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर लिखा, 'लगता है कांग्रेस नेताओं को संसद चलाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं बार-बार अपील करूंगा कि कांग्रेस बहस और चर्चा में हिस्सा ले, और ईमानदार सांसदों के काम में बाधा न डाले। संसद को चलने दें।'

पड़ोस में उथल-पुथल- आर्थिक मजबूती के चलते स्थिर है भारत

जंग और वैश्विक दबाव के बाद भी 6-8' विकास दर बरकरार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, असमानता और आर्थिक संकट ने पड़ोसी देशों श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल में ऐसा आक्रोश पैदा किया, जिससे हिंसा भड़क उठी। सत्ता परिवर्तन तक हुआ। पड़ोसी देशों में सियासी उथलपुथल, अस्थिरता से पैदा हालातों के बावजूद तीव्र आर्थिक विकास, विदेशी मुद्रा भंडार और सुदृढ़ सरकार के चलते भारत शांत और स्थिर है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान के साथ छोटे-निर्णायक जंग और अमेरिका के भारी भरकम टैरिफ के बाद भी दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था शानदार प्रदर्शन कर

रही है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 700 अरब डॉलर यानी सकल घरेलू उत्पाद का 18 प्रतिशत है, जो 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। विकास दर 6 से 8 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है। द इकोनॉमिस्ट में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारत हमेशा कभी इतना स्थिर नहीं रहा, जितना आज है। सरकार ने मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए बैंकिंग प्रणाली में सुधार किया, ऋणदाताओं को खराब ऋणों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया और दिवालियापन संहिता में सुधार किया। गैर-निष्पादित ऋण 2018 में 15 प्रतिशत से घटकर इस वर्ष 3 प्रतिशत हो गए हैं। राजकोषीय अपरिवर्तनवाद ने भी इसमें मदद की है। श्रीलंका का हालिया संकट, अपर्याप्त कर कटौती और मुद्रा मुद्रण द्वारा सक्षम घाटे के खर्च के कारण उत्पन्न हुआ था। भारत में राजकोषीय और चालू खाता दोनों तरह के दोहरे घाटे हैं, लेकिन इसने अपने बजट घाटे को कोविड-19 महामारी की शुरुआत के 9 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत से कम कर दिया है। सरकार की योजना 2031 तक अपने ऋण-से-जीडीपी अनुपात को 57 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत करने की है। हालांकि विनिर्माण निर्यात में गिरावट आई है, लेकिन सेवाओं के निर्यात ज्यादातर व्यावसायिक प्रक्रिया और आईटी आउटसोर्सिंग से होने वाला राजस्व अब जीडीपी का 15 प्रतिशत है

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा